@saahassamachar @saahassamachar @saahassamachar

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

साहस समाचार

निष्पक्ष, निर्भीक, बेबाक

नई दिल्ली, सोमवार, 4 मई 2026, वर्ष-1, अंक-171, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए RNI No-DLHIN/25/A2841 www.saahassamachar.in

परिवार के रीयूनियन को देख भावुक हुईं आरती सिंह ...पेज-8

विवेक विहार: आवासीय इमारत में भीषण आग लगने से नौ लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के एक आवासीय इमारत में भीषण आग लग जाने से दो परिवारों के कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि एयर कंडीशनर (एसी) में विस्फोट हो जाने के कारण आग लगी होगी। विवेक विहार फेज-1 में चार मंजिला इमारत में तड़के करीब तीन बजकर 50 मिनट पर आग लगी और यह तेजी से पिछले हिस्से में फैल गई तथा इसने पहली से चौथी मंजिल तक के फ्लैट को अपनी जद में ले लिया। इमारत में घना धुआं भर जाने के कारण निवासी उसके अंदर फंस गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आग पहली मंजिल पर एसी में विस्फोट होने के कारण लगी होगी, और तेज हवाओं की वजह से इसने भीषण रूप ले लिया। इमारत की संरचना और सुरक्षा प्रणालियों ने त्रासदी को और विकराल कर दिया। इसमें प्रवेश और निकास के लिए केवल एक सीढ़ी थी, जबकि छत का दरवाजा बंद था। सेंट्रल लॉक

सिस्टम और एकमात्र आंतरिक निकास मार्ग के रूप में उपयोग में लाई जाने वाली सीढ़ी जानलेवा साबित हुई।

पिछले हिस्से में लगीलोहे की ग्रिल और बंद बालकनी के साथ-साथ आसपास की इमारतों और एक संकरी गली के ऊपर से गुजरने वाले तारों के कारण लोगों को निकालने और बचाव प्रयासों में बाधा आई। एक दमकल कर्मी ने बताया, आग लगने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और इसकी वजह से 'सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम' से बंद दरवाजे को खोलना मुश्किल हो गया था, जबकि लिफ्ट भी काम नहीं कर रही थी। हमें फंसे हुए लोगों तक पहुंचने के लिए लोहे की ग्रिल काटनी पड़ी। उन्होंने बताया कि लगभग 15 लोगों को बचाने के लिए टीम ने अलग-अलग दिशाओं से सीढ़ियां लगाईं, साथ ही एक घुमावदार सीढ़ी का उपयोग किया।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), पुलिस कर्मियों और स्वयंसेवियों के साथ दमकल की 12 गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगाई गईं। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, इमारत के विभिन्न हिस्सों से, जिनमें फ्लैट और बंद दरवाजे वाली छत की ओर जाने वाली सीढ़ियां शामिल हैं, नौ झुलसे हुए शव बरामद किए गए। दूसरी मंजिल पर मृत पाए गए लोगों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनिता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), पुत्रवधू आंचल जैन (33) और पोते आकाश जैन के रूप में हुई है। ये सभी एक ही परिवार के हैं। तीसरी मंजिल पर एक अन्य परिवार के तीन सदस्य मृत पाए गए। उनकी पहचान नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि पहली मंजिल पर शिखा जैन (45) नाम की महिला मृत पाई गईं, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हैं, जिनका उपचार हो रहा है। उनकी दो बेटियां स्थानीय लोगों की मदद से निकलने में कामयाब रहीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग तेजी से फैल रही थी और लोग मदद के लिए गुहार लगा रहे थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई। कुछ पीड़ितों ने छत पर पहुंचने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा बंद होने के कारण वे बच नहीं पाए।

सार समाचार

इम्फाल हवाई अड्डे के पास बम विस्फोट

इम्फाल,एजेंसी। मणिपुर में जातीय हिंसा की शुरुआत की तीसरी बरसी पर आज इम्फाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित मालोम क्षेत्र में एक शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि पुलिस के अनुसार इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है। धमाका हवाई अड्डे और प्रादेशिक सेना के कैंप के समीप स्थित एक श्मशान घाट में हुआ, जिसके तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। विस्फोट की गंभीरता को देखते हुए बम निरोधक दस्ते और फॉरेंसिक विशेषज्ञों को साक्ष्य जुटाने के लिए तैनात किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट के लिए आईईडी, ग्रेनेड या किसी अन्य विस्फोटक उपकरण का इस्तेमाल किया गया था। इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक किसी भी व्यक्ति या प्रतिबंधित समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

टीएमसी नेताओं को एनआईए के नोटिस से उपजा विवाद

सिलीगुड़ी,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मालदा जिले के कालियाचक में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कई नेताओं को नोटिस जारी किए जाने के बाद सुजापुर विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार सबीना यास्मिन ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मतगणना से पहले डराने-धमकाने का लगाया आरोप लगाया। सुश्री यास्मिन निवर्तमान सिंचाई और उत्तर बंगाल विकास विभाग की राज्य मंत्री भी हैं। एनआईए ने मोथाबारी इलाके में गत एक अप्रैल को हुई उस घटना के संबंध में नोटिस जारी किए हैं, जिसमें जजों को बंधक बनाने, सड़क जाम करने और उन पर हमले के आरोप शामिल हैं।

भारत और कंबोडिया की सेनाएं दो सप्ताह का सैन्य अभ्यास करेंगी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और कंबोडिया की सेनाएं दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा और सैन्य संबंधों को गहरा करने के तहत सोमवार से दो सप्ताह तक सैन्य अभ्यास करेंगी। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। अभ्यास 'सिनबेक्स' का दूसरा संस्करण कंबोडिया के कम्पोंग स्पीउ प्रांत में आयोजित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह अभ्यास महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बदलते परिवेश में हो रहा है।

मोदी सरकार में प्रेस की आजादी हुई कमजोर: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि उसके 2014 में सत्ता में आने के बाद से देश की विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में स्थिति बिगड़ी है और भारत दुनिया में प्रेस की आजादी को लेकर 157वें स्थान पर पहुंच गया है जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को एक पोस्ट में कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को एक कठोर और अकाट्य वास्तविकता का सामना करना होगा। प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में 2014 से भारत की स्थिति लगातार गिर रही है और आज यह विश्व में गिरकर 157वें स्थान पर है।

उन्होंने लिखा कि सच्ची स्वतंत्र प्रेस का अस्तित्व सरकार की कहानी को बढ़ावा देने या उसकी असफलताओं को छिपाने के लिए नहीं है। प्रेस का काम सत्ता के कामकाज की जांच करना, सवाल पूछना और सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह बनाना है। लोकतंत्र में मीडिया शक्ति और जनता के बीच संतुलन बनाए रखती है। पत्रकार जनता के सत्य के संरक्षक हैं। खरगे ने इस सम्बंध में पंडित जवाहरलाल नेहरू का उद्धरण देते हुए कहा, प्रेस की स्वतंत्रता केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनिवार्य अंग है।₹ उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में यह अनिवार्य अंग गंभीर रूप से प्रभावित हो गया है। उन्होंने संघ परिवार पर हमला किया और कहा कि उसने कानूनी ढांचे को हथियार बनाकर समाचार कक्षों को चुप कराने की कोशिश की है।

विपक्ष कर रहा है लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर: रिजिजू

नई दिल्ली,एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्षी दलों पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वे लोकतंत्र की बुनियाद पर हमले कर रहे हैं और देश की जनता उनके ऐसे प्रयासों का समय आने पर करारा जवाब देगी।

रिजिजू ने रविवार को सोशल मीडिया एक पर एक पोस्ट में कहा कि विपक्ष सरकारी एजेंसियों, ईवीएम, चुनाव आयोग, मीडिया और न्यायपालिका को लगातार निशाना बना रहे हैं, जिससे लोकतंत्र की मूल संरचना प्रभावित होती है। कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमज़ोर करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने 1975 में लगे आपातकाल का उल्लेख किया और कहा कि उस समय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने 1973 के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्ति विवाद का हवाला देते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार के फैसलों पर सवाल उठाए।

पांच राज्यों के चुनावी नतीजे आज आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी विधानसभाओं तथा विभिन्न राज्यों के आठ विधानसभा क्षेत्रों के उप चुनावों की मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार सुबह आठ बजे शुरू होगी। पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले की फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान कराये जाने के चुनाव आयोग के निर्णय के अनुसार वहां 21 मई को फिर मतदान कराया जायेगा। राज्य की शेष 243 सीटों के चुनावों की मतगणना कल सुबह आठ बजे शुरू होगी।

सभी राज्यों में शुरुआती आधे घंटे में पोस्टल बैलेट पेपर की मतगणना होगी। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन से की जा रही मतगणना पूरी होने से पहले पोस्टल बैलेट पेपर की मतगणना हर हाल में पूरी कर ली जायेगी। कल रात तक सभी राज्यों के चुनावों के नतीजे आ जाने की उम्मीद है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार पांचों राज्यों में मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। सभी मतगणना केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राष्ट्रव्यापी बहस के बीच पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा के चुनावों में मतदाताओं ने मतदान में बढ़चढ़कर भागीदारी की। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आजादी के बाद मतदान- प्रतिशत के नये रिकार्ड बने।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हुए चुनाव में मतदान का कुल प्रतिशत 92.47 रहा। पहले चरण में 152 सीटों के लिए 23 अप्रैल को कराये गये मतदान में 93.19 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूसरे चरण में आज 142 सीटों पर कुल मिला कर 91.66 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य की कुल 294 सीटों के लिए 2926 उम्मीवार मैदान में हैं। पश्चिम बंगाल में मतगणना 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किये जायेंगे। इसके अलावा 165 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष पर्यवेक्षक तैनात किये जायेंगे। पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच है। कांग्रेस और वामपंथी दल भी जोर आजमाइश में हैं।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में 23 अप्रैल को एक चरण में हुए मतदान में सभी 234 सीटों पर कुल 84.93 प्रतिशत वोट पड़े। राज्य में कुल 4023 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ द्रविण मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन और विपक्षी अन्ना द्रमुक- भाजपा गठबंधन के बीच है। इस बार अभिनय की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति के अखाड़े में उतरे सी जोसफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने कुछ सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया है। इन विधान सभा चुनावों के पहले चरण में नौ अप्रैल को असम, केरल तथा पुडुचेरी में मतदान कराया गया।

असम में 85.46 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य की कुल 126 सीटों के लिये 722 उम्मीदवार मैदान में है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच है। केरल में 78.17 प्रतिशत मतदान हुआ, जहां 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच है। भाजपा भी राज्य में पूरे दम खम के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में लगी है। पहले चरण में मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत पुडुचेरी में रहा, जहां 89.87 प्रतिशत वोट डाले गये। वहां 30 सीटों के लिए 294 उम्मीदवार अपनी चुनावी किस्मत आजमा रहे हैं। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है इन चुनावों में मतदाता सूचियों पुनरीक्षण के अलावा पश्चिम बंगाल और असम में प्रमुख मुद्दा बंगलादेशी घुसपैठियों और भ्रष्टाचार रहा। तमिलनाडु और केरल में भी विकास बनाम भ्रष्टाचार का मुद्दा उछाला गया।

पश्चिम बंगाल में मतगणना से पहले चुनाव आयोग ने 432 मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना से एक दिन पहले चुनाव आयोग ने प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संख्या में मतगणना पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया है। सोमवार को सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। राज्य की 293 विधानसभा सीटों के लिए वोटों की गिनती की जाएगी। प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए चुनाव आयोग ने मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

आयोग की अधिसूचना के अनुसार, कुल 432 मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। 294 सीटों के लिए इन पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। सबसे अधिक मतगणना पर्यवेक्षक उत्तर 24 परगना जिले में नियुक्त किए गए हैं, जहां लगभग 49 पर्यवेक्षक 33 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना की निगरानी करेंगे।

दक्षिण 24 परगना जिले की 31 सीटों के लिए कुल 45 पर्यवेक्षक उपस्थित रहेंगे। मुर्शिदाबाद में 22 सीटों के लिए 33 पर्यवेक्षक होंगे, जबकि कोलकाता में 11 सीटों के लिए 12 मतगणना पर्यवेक्षक होंगे। इसी प्रकार सभी जिलों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है।

गैलेक्सआई ने लॉन्च किया दुनिया का पहला ऑप्टोसैट उपग्रह मिशन दृष्टि

चेन्नई, एजेंसी।

आईआईटी मद्रास द्वारा संवर्द्धित बेंगलुरु के स्पेस-टेक स्टार्टअप 'गैलेक्सआई' ने रविवार को दुनिया के पहले 'ऑप्टोसैट' उपग्रह 'मिशन दृष्टि' के सफल प्रक्षेपण की घोषणा की। यह उपलब्धि पृथ्वी अवलोकन प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को रेखांकित करती है। इस उपग्रह को अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग से स्पेसएक्स के 'फाल्कन-9' रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया।'मिशन दृष्टि' भारत का सबसे बड़ा निजी तौर पर विकसित पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है। यह वैश्विक स्तर पर पहला ऐसा उपग्रह है जो इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल (ईओ) और सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसएआर) सेंसर को एक ही परिचालन प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करता है। इस तकनीक की मदद से यह किसी भी मौसम में और दिन के किसी भी समय उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें लेने में सक्षम है। गैलेक्सआई के अनुसार, यह एकीकृत दृष्टिकोण पारंपरिक प्रणालियों की कमियों में सुधार करके विविध पर्यावरणीय स्थितियों में सटीक डेटा प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सफल प्रक्षेपण पर गैलेक्सआई टीम को बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गैलेक्सआई द्वारा मिशन दृष्टि हमारी अंतरिक्ष यात्रा में एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के पहले ऑप्टोसैट उपग्रह और भारत के सबसे बड़े निजी निर्मित उपग्रह का सफल प्रक्षेपण हमारे युवाओं के नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके जुनून का प्रमाण है। मोदी ने स्टार्टअप के संस्थापकों और पूरी टीम को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मोदी के ट्वीट का उत्तर देते हुए गैलेक्सआई के संस्थापक और सीईओ सुयश सिंह ने कहा, ₹समर्थन और प्रेरणा देने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हम अंतरिक्ष में सैकड़ों उपग्रह स्थापित कर भारत को गौरवान्वित नहीं कर देते।

आईआईएमडी के अनुसार पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं

उत्तर भारत के कई राज्यों में आंधी-बारिश ने गर्मी से दिलाई राहत

नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तर भारत के कई राज्यों में रविवार को बारिश के बाद तापमान कुछ डिग्री तक कम हो गया, जिसकी वजह से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यहां गरज के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान है। आईएमडी ने राष्ट्रीय राजधानी में अगले दो दिन के लिए 'येलो' अलर्ट जारी करते हुए बारिश, बिजली गरजने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है।

आईएमडी के अनुसार छह मई तक बादल छाए रहने और रुक-रुककर बारिश होने का पूर्वानुमान है। सफदरजंग वेधशाला ने न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है उत्तराखंड के कई जिलों में रविवार सुबह तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिसके बाद राज्य प्रशासन ने सभी जिला अधिकारियों को सर्तक रहने का निर्देश दिया। मौसम में अचानक बदलाव के कारण पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए और कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

आईएमडी के अनुसार पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं। विभाग ने कहा कि मध्य उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर पांच सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई, जबकि पूर्वी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और पश्चिमी क्षेत्रों में हल्की बारिश हुई। आईएमडी के

अनुसार रविवार को पूरे राज्य में दिन का तापमान सामान्य से कम रहा, कुछ क्षेत्रों में यह औसत से 5 से 7 डिग्री सेल्सियस तक कम दर्ज किया गया। चंडीगढ़ और पंजाब-हरियाणा के कुछ हिस्सों में भी बारिश हुई। चंडीगढ़ में कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। पंजाब में मोहाली, रूपनगर और लुधियाना में भी बारिश दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान में कुछ डिग्री की गिरावट आई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। अधिकारियों के अनुसार कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही, जबकि तेज हवाओं से कुछ पेड़ उखड़ गए और कई शाखाएं टूटकर गिर गईं। चंडीगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (सीडीपीएल) ने कहा, सुबह तेज हवाओं और बिजली की लाइनों के गिरने के कारण कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति अपेक्षा से अधिक समय तक प्रभावित रही। हमारी टीम लगातार आपूर्ति बहाल करने में जुटी है। अधिकारियों ने कहा कि होशियारपुर में सुबह के समय अचानक आई आंधी और बारिश के कारण पुरहीरन क्षेत्र के इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट में बिजली के खंभे और पेड़ उखड़ गए।

फगवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में भी सुबह धूल भरी आंधी आई और बारिश हुई। हरियाणा में पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में बारिश हुई। राजस्थान में रविवार को कई इलाकों में गर्मी का असर बना रहा। फलोदी में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद चित्तौड़गढ़ में 43.4 डिग्री सेल्सियस। श्रीगंगानगर और जैसलमेर दोनों जगह 42.8 डिग्री सेल्सियस, जबकि कोटा में 42.3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बीकानेर में 42.2 डिग्री सेल्सियस, अजमेर में 40.3 डिग्री सेल्सियस और चूरू में 40.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस रहा। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में भी बारिश हुई, जबकि धर्मशाला में ओलावृष्टि हुई। शनिवार शाम से लेकर अगले 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के छह जिलों कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में चार मई के लिए 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली गरजने का पूर्वानुमान जताया है।

ईरान के प्रस्ताव पर विचार जारी: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी।

पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम के लिए अमेरिका और ईरान नए प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए आए नए प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने आगे सैन्य और रणनीतिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाम बीच से रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, ईरान के मामले में हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। ट्रंप ने पुष्टि की कि वह तेहरान के कथित 14-सूत्रीय प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका आगे सैन्य और रणनीतिक कदमों पर भी विचार कर सकता है, जिसमें तेहरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को समाप्त करना और यूरोप में अमेरिकी सैनिकों की संख्या कम करना शामिल है। उसी बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, वे समझौता करना चाहते हैं, वे कमजोर हो चुके हैं। उन्हें यह तय करने में मुश्किल हो रही है कि उनका नेता कौन है। ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता के बारे में पूछे जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इसे खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं इसे खत्म करना चाहूंगा।

गुरुग्राम में जनगणना कार्य में अनुपस्थित कर्मचारी नपेंगें, अब होगी निगरानी

निगमायुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में बैठक में निगरानी तंत्र मजबूत करने के निर्देश।

गुरुग्राम,एजेंसी।

जनगणना के कार्य में 500 से अधिक सुपरवाइजर एवं एन्यूमरेटर ड्यूटी और प्रशिक्षण से अनुपस्थित पाए गए हैं। नगर निगम की ओर से सख्त निर्णय लिया गया कि ऐसे कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे। निर्धारित समय में जवाब नहीं देने पर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह बात प्रधान जनगणना अधिकारी एवं निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने रविवार को नगर निगम गुरुग्राम में जनगणना कार्यों की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक में कही।

इस बैठक में विभिन्न अधिकारियों की उपस्थिति में जनगणना कार्यों को गति देने, अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई तथा निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी विभागों और संस्थानों को निर्देशित किया गया कि उनके अधीनस्थ कर्मचारी तुरंत जनगणना कार्य में शामिल हों। साथ ही अनुपस्थित सुपरवाइजर और एन्यूमरेटर को पांच मई से सात मई 2026 तक प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। अनुपालन न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुपस्थिति या उदासीनता को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही सभी अधिकारियों को अपने स्टाफ की नियमित निगरानी और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जनगणना कार्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि गुरुग्राम में जनगणना प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हो। साथ ही निगम पार्षदों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों व नागरिकों से अपील की गई कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करें।

जनगणना कार्यों की निगरानी और समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जोन स्तर पर जोनल ग्रीवेंस सेल गठित करने का निर्णय लिया गया। ये सेल प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा करेंगे, प्रत्येक गुरुवार को फील्ड निरीक्षण करेंगे तथा हर शुक्रवार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, निगमायुक्त कार्यालय में सेन्सस मैनेजमेंट सेल गठित किया गया है, जिसकी अध्यक्षता निगमायुक्त स्वयं करेंगे।

यह सेल जनगणना कार्यों की निगरानी, शिकायतों के समाधान तथा आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि कुछ जोन में जनगणना किट वितरित कर दी गई हैं, जबकि अन्य जोनों में उसी दिन वितरण पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, प्रशिक्षण से अनुपस्थित एमसीजी कर्मचारियों की समीक्षा कर उनकी अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया।

दमकल कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी

गुरुग्राम,एजेंसी।

अपनी लंबित मांगों को लेकर दमकल विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 26वें दिन भी पूरे जोश के साथ जारी रही। सेक्टर-29 स्थित फायर स्टेशन पर आयोजित धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान साहून खान ने की और मंच संचालन सुनील कुमार ने किया। दमकल कर्मचारियों के इस आंदोलन को अब कद्दावर नेताओं का साथ भी मिलने लगा है। सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर फायर कर्मियों की मांगों का जल्द से जल्द समाधान करने का कड़ा आग्रह किया है।

धरने को संबोधित करते हुए जिला प्रधान साहून खान ने कहा कि फरीदाबाद अग्निकांड में जान गंवाने वाले दमकल कर्मी रणवीर सिंह व भवीचंद शर्मा को शहीद का दर्जा दिया जाए और उनके आश्रितों को 1-1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी मिले। पे-रोल व कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों को सृजित पदों पर समायोजित कर समान काम-समान वेतन और पांच हजार रुपये मासिक जोखिम भत्ता लागू किया जाए।

उन्होंने रोष जताते हुए कहा कि पिछले 6 सालों से दमकल कर्मियों के वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जिसे एरियर सहित तुरंत दिया जाए। साथ ही, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के 23 व 31 दिसंबर 2025 के फैसले के अनुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए।उप प्रधान जोगिंदर ने चिंता जताते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में प्रदेशभर में आगजनी की घटनाएं बढ़ रही हैं।

हड़ताल के कारण आम जनता को नुकसान के रूप में भारी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, लेकिन सरकार गंभीर नहीं है। साहून खान ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि फायर कर्मियों के समर्थन में नगर पालिका कर्मचारी संघ (सफाई कर्मी) भी लगातार तीसरे दिन कामकाज छोड़कर हड़ताल पर डटे रहे। इस संयुक्त हड़ताल को 5 मई तक बढ़ा दिया गया है। यदि 5 मई तक सरकार ने कर्मचारियों की जायज मांगें नहीं मानीं, तो इस हड़ताल को अनिश्चितकालीन आंदोलन में बदल दिया जाएगा। पुराने नगर निगम में मौजूद अन्य कर्मचारी नेताओं ने भी मांगों का जोर-शोर से समर्थन किया।

सिंगर राहुल फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गनाइजर के घर पर फायरिंग

गुरुग्राम,एजेंसी।

बीती रात बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने हरियाणवी सिंगर राहुल फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गनाइजर सौरव यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में सौरव यादव के सुरक्षाकर्मी सिपाही कुलविंदर को गोलियां लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सिपाही कुलविंदर को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, हमलावर बाइक पर सवार होकर आए थे और उन्होंने सीधे घर के बाहर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। बताया जा रहा है कि बदमाशों का असली निशाना सौरव यादव था, लेकिन अचानक हुई फायरिंग की चपेट में उनका सुरक्षा कर्मी आ गया। घटना के समय सौरव यादव घर पर मौजूद थे।

गोलियों की आवाज सुनते ही सुरक्षाकर्मी ने मोर्चा संभालने की कोशिश की, लेकिन अचानक हुई फायरिंग में वह घायल हो गया। सौरव यादव को गैंगस्टर दीपक नांदल की ओर से धमकियां मिल चुकी थी। इसी को देखते हुए गुरुग्राम पुलिस ने उनकी सुरक्षा में दो जवान तैनात किए थे। बता दें कि इससे पहले भी राहुल फाजिलपुरिया पर पिछले साल फायरिंग हो चुकी है, वहीं उनसे जुड़े रोहित सोकिन की हत्या भी हो चुकी है। हाल ही में सौरव यादव ने फाजिलपुरिया के गाने "लारी लारी" को प्रमोट किया था, जिसके बाद से उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थी। फिलहाल पुलिस आस पास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

पत्नी व चार बच्चों को जहर देकर मारा और खुद भी हाथों की नसें काटी

गुरुग्राम,एजेंसी।

गांव वजीरपुर में एक व्यक्ति ने शनिवार देर रात अपनी पत्नी और चार बच्चों की जहर देकर हत्या कर दी। आरोपी ने खुद भी हाथों की नसें काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों में आरोपी नाजिम की पत्नी नजमा, बेटी इकरा, शिफा और खतीजा तथा बेटा आरम शामिल हैं। पुलिस घायल नाजिम को सिविल अस्पताल में भर्ती करा दिया है जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि हत्या का कारण पति-पत्नी में आपसी झगड़ा बताया बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार नाजिम उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले का रहने वाला है और करीब छह महीने से गांव वजीरपुर में किराए के मकान में रह रहा था। नाजिम गढ़ी हरसरू में खुद का सैलून चलाता है। पुलिस जांच में सामने आया है कि नाजिम का अक्सर पत्नी के साथ झगड़ा होता रहता था। शनिवार देर सायं आरोपी नाजिम का भाई जिशान घर पहुंचा। उसने बताया कि जब वह बच्चों के कमरे में गया तो देखा कि सभी बच्चे और उसकी भाभी फर्श पर पड़े हुए थे और उनके मुंह से झाग निकल रहा था।

वहीं नाजिम पास में तड़प रहा था और उसके हाथ की नसें कटी हुई थीं। पास में खून से सना चाकू भी पड़ा हुआ था। जिशान ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से एक खून से सना चाकू बरामद किया है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि आरोपी ने उसी चाकू से अपनी नसें काटी।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि नाजिम और उसकी पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बताया जा रहा है कि यह नाजिम की दूसरी शादी थी। शनिवार को भी किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद यह खौफनाक कदम उठाया गया। रविवार को एसीपी नवीन शर्मा ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सभी की मौत ज़हर देने से हुई है या गला दबाकर हत्या की गई है।

पत्नी से मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

ट्रांस हिंडन,एजेंसी।

टीला मोड़ की ईस्ट कृष्णा विहार कॉलोनी में विवाहिता के साथ उसके मायके में पहुंचकर मारपीट का मामला सामने आया है। विवाहिता ने पति समेत तीन लोगों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कृष्णा विहार कॉलोनी में रह रहीं रिया शर्मा ने पुलिस को बताया कि एक वर्ष पहले उनकी विक्की से शादी हुई थी। पिछले दस दिन से वह अपने पिता के घर में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि दो मई को पति, सास और ननद तीनों बात करने के बहाने उनके घर में घुसे और मारपीट की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। लोगों के जमा होने पर तीनों वहां से भाग निकले। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

सीवर सफाई करते दम घुटने से दो कर्मियों की मौत

फरीदाबाद,एजेंसी।

शहर के सेक्टर-84 में सीवर की सफाई के दौरान दम घुटने से दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खेड़ी कला गांव निवासी राजेंद्र और सुनील के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 45 से 50 वर्ष के बीच बताई जा रही है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा पुरी प्राणायाम सोसाइटी के सामने उस समय हुआ जब शनिवार शाम दोनों सफाई कर्मी मैनहोल में उतरकर सीवर की सफाई कर रहे थे। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर भी किसी को इसकी भनक नहीं लगी।

दोनों के देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने दोनों की तलाश शुरू की। रविवार सुबह जब परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो मैनहोल के पास उनकी साइकिल और मोटरसाइकिल खड़ी मिली। यह देखकर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत खारिज

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी।

सत्र अदालत ने नाबालिग के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपी सुनीलराम की तीसरी बार जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने इस अपराध को जघन्य करार देते हुए जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। मामला थाना फेज-3 से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 11 मई 2022 को शिकायतकर्ता की 14 वर्षीय पुत्री/पीड़िता आरोपी के साथ घर से चली गई थी। इस घटना की सूचना मिलने पर 12 मई 2022 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने पीड़िता को सकुशल ढूंढा था।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आयु प्रमाण-पत्र के अनुसार पीड़िता की आयु घटना के समय लगभग 13.5 वर्ष थी। पीड़िता ने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा कि वह आरोपी के साथ गई और एक महीने एक दिन तक उसके साथ रही। जहां आरोपी ने प्रतिदिन उसके साथ दुराचार किया। आरोपी पहले से विवाहित है और उसके चार बच्चे हैं। उसकी आयु लगभग 32 वर्ष है। आरोपी उसे बहला-फुसलाकर जयपुर ले जाकर एक महीने तक प्रतिदिन उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के अधिवक्ता ने दलील दी कि उसने न तो पीड़िता का अपहरण किया, न उसे बहकाया और न ही कोई गलत कार्य किया। आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वह जून 2022 से न्यायिक हिरासत में है।

पत्नी से झगड़े के बाद नहर में कूदा डेंटल सर्जन

फरीदाबाद,एजेंसी।

फरीदाबाद के खेड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में सेक्टर 17 के पुल से एक डेंटल सर्जन ने आगरा नहर में छलांग लगा दी। नहर में कूदने से से पहले उसका पत्नी के साथ विवाद हुआ था। पत्नी ने डॉक्टर को रोकने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह महिला को धक्का देकर नहर में कूद गया। एसडीआरएफ की टीमों ने कई घंटे तक उसकी तलाश की, लेकिन टीम को कामयाबी नही मिली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बल्लभगढ़ की यादव कॉलोनी का रहने वाला सचिन (36) पेशे से डेंटल सर्जन है।

वह बल्लभगढ़ में मोहना रोड़ स्थित यादव कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहता है। यादव कालोनी में ही उसने एक डेंटल क्लिनिक खोला हुआ है। बताया जा रहा है कि, शनिवार की देर शाम को डॉक्टर सचिन सेक्टर 87 स्थित अपनी बहन के घर से पत्नी और बच्चो के साथ वापस लौट रहा था। बहन के घर पर दोनों पति-पत्नी के बीच में विवाद हो गया। जिसको लेकर रास्ते में दोनों के बीच में विवाद ने झगड़े का रूप धारण कर लिया। डॉक्टर सचिन ने सेक्टर 17 के पुलिस थाने के पास अपनी ब्लैक रंग की स्कॉर्पियो को रोका और नहर की तरफ जाने लगा।

इस दौरान उसकी पत्नी ने उसको रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने पत्नी को धक्का मारा और नहर में छलांग लगा दी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सचिन की तलाश करने के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। टीम बोट लेकर पानी में कई घंटे उसकी तलाश करती रही, लेकिन सचिन का कुछ पता नहीं चल सका। क्योंकि अंधेरा होने के कारण नहर में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। खेड़ी पुल थाना इंचार्ज देवेन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक सचिन का पता नहीं चल पाया है।

मोबाइल टावर उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नोएडा,एजेंसी।

थाने की सेक्टर-113 पुलिस और क्राइम रिस्पांस टीम ने मोबाइल टावरों से महंगे उपकरण चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो आरआरयू मशीनें, दो चाकू और बाइक बरामद की। आरोपी दो वर्षों से चोरी कर रहे थे। पूछताछ में उन्होंने अपने दो और साथियों के नाम बताए। एसीपी राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि थाने की टीम शनिवार को सेक्टर-122 कट के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान संदिग्ध हालत में दो युवकों को रोका गया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके पास से मोबाइल टावरों से चोरी की गई आरआरयू मशीनें बरामद हुईं।

इसके साथ ही दोनों के पास चाकू भी मिले, जिससे स्पष्ट हुआ कि वे आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हथियार साथ रखते थे। बदमाशों की पहचान अमरोहा निवासी 24 वर्षीय इमरान और गाजियाबाद के निवाड़ी निवासी 21 वर्षीय दीपांशु के रूप में हुई। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी सुनसान स्थानों और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में लगे मोबाइल टावरों को निशाना बनाते थे। वे विशेष रूप से उन टावरों को चुनते, जहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होती या निगरानी कम रहती। दोनों रात के समय या कम आवाजाही वाले समय में टावरों पर लगे आरआरयू जैसे महंगे उपकरण चोरी कर लेते। इसके बाद चोरी किए गए सामान को दिल्ली के कबाड़ी बाजार में बेच देते। बरामद की गई दोनों आरआरयू मशीनें भी आरोपियों ने दो से तीन दिन पहले ही अलग-अलग स्थानों से चोरी की थीं। जब वे इसे बेचने जा रहे थे, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

छांयसा मेडिकल कॉलेज में समस्याओं पर फूटा छात्रों का गुस्सा, किया प्रदर्शन

फरीदाबाद,एजेंसी।

फरीदाबाद के छांयसा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के छात्रों ने संस्थान में बुनियादी सुविधाओं, क्लिनिकल एक्सपोजर और शैक्षणिक व्यवस्थाओं की कमी को लेकर गंभीर नाराजगी जताई है। शनिवार देर रात छात्र-छात्राओं ने कॉलेज परिसर में विरोध प्रदर्शन कर अपनी समस्याओं को प्रशासन के सामने रखा। छात्रों ने बताया कि कॉलेज को वर्ष 2020 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से स्वीकृति मिली थी और पहला बैच 2022 में शुरू हुआ था।

उस समय अस्पताल की मूलभूत सेवाएं भी पूरी तरह शुरू नहीं थीं। वर्तमान में ओपीडी सेवा शुरू तो कर दी गई है, लेकिन मरीजों की संख्या बहुत कम है। वहीं आईपीडी सेवाएं अभी तक पूरी तरह शुरू नहीं हो पाई हैं, जिससे मेडिकल छात्रों की क्लिनिकल ट्रेनिंग पर गंभीर असर पड़ रहा है। छात्रों का कहना है कि अस्पताल की फार्मेसी सेवाएं बेहद कमजोर हैं। कई बार मरीजों को जरूरी दवाएं अस्पताल में उपलब्ध नहीं होतीं और उन्हें बाहर से खरीदनी पड़ती हैं। इसका असर अस्पताल में आने वाले मरीजों और छात्रों दोनों पर पड़ रहा है। कॉलेज के पहले बैच यानी 2022 बैच के छात्र इन समस्याओं से सबसे अधिक प्रभावित हैं।

खराब वायरिंग, जनरेटर और पैनल की वजह से बार-बार बिजली की दिक्कत आती है, जबकि पानी की आपूर्ति भी पर्याप्त नहीं है। कई बार पीने के पानी की भी कमी हो जाती है। छात्रों ने बताया कि इन समस्याओं को लेकर कई बार कॉलेज के डीन और निदेशक को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। परीक्षा के समय भी छात्रों को इन्हीं कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई और तैयारी करनी पड़ रही है। शैक्षणिक व्यवस्था को लेकर भी छात्रों ने गंभीर सवाल उठाए हैं।

उनका कहना है कि जनरल मेडिसिन, रेडियोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग और मनोरोग जैसे महत्वपूर्ण विभागों में फिलहाल कोई फैकल्टी उपलब्ध नहीं है। वहीं अन्य विभागों में भी केवल एक या दो फैकल्टी ही मौजूद हैं, जिससे नियमित कक्षाएं और क्लिनिकल शिक्षण निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं हो पा रहा। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन इस पूरे मामले में केवल आश्वासन दे रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ।

कॉलेज में समय-समय पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और विश्वविद्यालय की ओर से निरीक्षण भी किए गए हैं, जिनमें कई कमियां सामने आईं, लेकिन अब तक उनमें सुधार नहीं किया गया। छात्रों का कहना है कि जिस संस्थान को एक तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाना था, वह आज भी प्राथमिक या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। इससे मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के भविष्य को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है।

सरकारी स्कूलों में 15 मई तक होगा अनिवार्य निरीक्षण

गुरुग्राम,एजेंसी।

सरकारी स्कूलों में सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने अब सख्त रुख अपना लिया है। हाल ही में 29 अप्रैल को आयोजित बैठक में अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए कि 15 मई तक सभी अडॉप्ट किए गए स्कूलों का निरीक्षण कर हर हाल में पूरा किया जाए। विभाग का कहना है कि अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि निरीक्षण के दौरान पांच जरूरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इनमें स्कूलों के टॉयलेट, पीने का साफ पानी, मिड डे मील, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और साइंस लैब शामिल है। इन सुविधाओं की स्थिति खराब मिलने पर संबंधित स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षक ही नहीं, बल्कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी भी जिम्मेदार होंगें। इसके अलावा यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री की टीम पहले से ही अलग अलग स्कूलों का निरीक्षण कर रही है और वहां की फोटो व जरूरी जानकारी जुटाई जा रही है।

मई महीने से राज्य स्तर के अधिकारी भी औचक निरीक्षण शुरू करेंगें। ऐसे में किसी भी स्कूल में कमी मिलने पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्कूलों को सुधार के लिए कुछ राहत भी दी है। प्रिंसिपल को अपने स्कूल फंड से एक लाख रुपये तक खर्च करने की अनुमति दी गई है, ताकि छोटे छोटे मरम्मत और जरूरी काम जल्दी पूरे सकें। जिन स्कूलों के पास पर्याप्त फंड नही है, उन्हें 5 मई तक अपनी मांग संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को भेजनी होगी। तय समय सीमा तक मांग नहीं भेजने पर यह माना जाएगा कि स्कूल में सभी संसाधन उपलब्ध हैं।

RNI.No DLHIN/25/A2841 स्वामी, प्रकाशक, संपादक देवेंद्र सिंह तोमर एवं मुद्रक रवि भारद्वाज मे. मारुती नंदन प्रिंटर्स एवं पब्लिशर, शक्ति कॉम्प्लेक्स 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110042 से मुद्रित एवं हॉउस नंबर 16/ 9980, गली नंबर-5, सराय रोहिल्ला न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली-110005 से प्रकाशित।

संपादकीय कार्यालय - B4/265B केशव पुरम नई दिल्ली -110005। फोन-011-40106508 मोबाइल-9911466900/ 8076353913। Email.saahassamachardainik@gmail.com

संपादक देवेंद्र सिंह तोमर

इस अंक में प्रकाशित खबरों एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा नई दिल्ली के न्यायालय में होगा।

दिल्ली सरकार लाई ट्रैफिक चालान निपटारे की नई व्यवस्था

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब चालान की पूरी प्रक्रिया को अधिक सख्त, पारदर्शी और डिजिटल बनाया गया है।

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब ट्रैफिक चालान निपटाने के लिए सरकार एक नई, तय समय में पूरी होने वाली और व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू कर रही है। सड़कों पर अब लापरवाही और नियमों की अनदेखी के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। नई व्यवस्था के तहत ट्रैफिक चालान से बचना अब संभव नहीं होगा और तय समय में उसका निपटारा करना हर नागरिक के लिए जरूरी होगा। यह कदम सड़क सुरक्षा बढ़ाने, अनुशासन लाने और डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा बदलाव है। नए नियमों के अनुसार चालान को चुनौती देने के लिए सीधे कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकेगा।

दिल्ली सरकार ने रविवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में किए गए संशोधनों को जल्द लागू करने जा रही है। अब चालान की पूरी प्रक्रिया को अधिक सख्त, पारदर्शी और डिजिटल बनाया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब अगर कोई व्यक्ति एक वर्ष के भीतर 5 या उससे अधिक बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे गंभीर श्रेणी में माना जाएगा। संशोधित नियमों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति एक वर्ष में पांच या उससे अधिक ट्रैफिक उल्लंघन करता है तो यह उसके ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन या अयोग्यता के लिए आधार बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब चालान जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह आधुनिक होगी। पुलिस अधिकारी या अधिकृत अधिकारी चालान को फिजिकल या इलेक्ट्रॉनिक दोनों रूपों में जारी कर सकेंगे। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली यानी कैमरों और डिजिटल सिस्टम के माध्यम से चालान स्वतः भी जनरेट किए जा सकेंगे।

जिनका चालान कटा है और उनका मोबाइल नंबर विभाग के पास है, उन्हें ऑनलाइन चालान तीन दिनों के भीतर और फिजिकल नोटिस 15 दिनों के भीतर संबंधित व्यक्ति तक पहुंचा दिए जाएंगे। सभी चालानों का रिकॉर्ड ऑनलाइन पोर्टल पर क्रमवार दर्ज किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी। विभाग की सभी वाहन चालकों को सलाह है कि वे अपने लाइसेंस और आरसी पर अपना मोबाइल नंबर और घर का पता दुरस्त करवा लें, वरना उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि चालान मिलने के बाद व्यक्ति के पास 45 दिनों का समय होगा। इस अवधि में वह या तो चालान का भुगतान कर सकता है या फिर पोर्टल पर दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ शिकायत निवारण अधिकारी के सामने उसे चुनौती दे सकता है। अगर 45 दिनों के भीतर कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो चालान स्वतः स्वीकार माना जाएगा। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को अगले 30 दिनों के भीतर भुगतान करना अनिवार्य होगा अगर प्राधिकरण द्वारा चुनौती खारिज कर दी जाती है तो व्यक्ति के पास दो विकल्प होंगे, या तो वह 30 दिनों के भीतर चालान भर दे या फिर चालान की राशि का 50 प्रतिशत जमा कर न्यायालय में मामला ले जाए।

अगर इस समय सीमा में वह कार्रवाई नहीं करता है तो चालान स्वीकार माना जाएगा और उसे 15 दिन के भीतर भुगतान करना होगा। उसके पास इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भुगतान का विकल्प होगा। नई व्यवस्था के तहत 30 दिन के भीतर शिकायत निवारण अधिकारी पोर्टल पर अपना आदेश अपलोड करेगा। यह अनिवार्य है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इसके अलावा, समय सीमा पार होने के बाद हर दिन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से नोटिस भेजे जाएंगे।

अगर चालान का भुगतान नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के सरकार को वाहन संबंधी टैक्स देने के अलावा ड्राइविंग लाइसेंस या वाहन पंजीकरण से जुड़े सभी कार्य रोक दिए जाएंगे। वाहन को पोर्टल पर 'नॉट टू बी ट्रांजैक्टेड' के रूप में चिन्हित कर दिया जाएगा, जिससे वह किसी भी प्रकार की प्रक्रिया में इस्तेमाल नहीं हो सकेगा, जब तक चालान का भुगतान नहीं किया जाता।

बात मुद्दे की

आलोक गौड़

गंगा एक्सप्रेसवे: विकास का मॉडल या जनता पर स्थायी टोल?

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में गंगा एक्सप्रेसवे को विकास की नई धुरी बताया जा रहा है। सरकार के अनुसार यह परियोजना प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देगी, निवेश बढ़ाएगी और मेरठ से प्रयागराज तक सफर आसान बनाएगी। लेकिन इन दावों और सरकारी विज्ञापनों की चमक के पीछे एक बड़ा सवाल लगातार खड़ा है कि क्या यह एक्सप्रेसवे वास्तव में जनता की सुविधा के लिए बनाया गया है, या फिर यह सार्वजनिक संसाधनों को निजी मुनाफे में बदलने का नया मॉडल है?

गंगा एक्सप्रेसवे केवल 594 किलोमीटर लंबी सड़क नहीं है। यह उस आर्थिक व्यवस्था का प्रतीक बनता जा रहा है जिसमें जनता जमीन देती है, सरकार गारंटी देती है, बैंक कर्ज देते हैं और अंततः दशकों तक कमाई का अधिकार निजी हाथों में चला जाता है। यानी जोखिम सार्वजनिक और लाभ निजी।

यही वजह है कि इस परियोजना पर केवल विकास के नजरिये से नहीं, बल्कि आर्थिक और लोकतांत्रिक दृष्टि से भी बहस जरूरी है।

सबसे बड़ा सवाल टोल व्यवस्था को लेकर है। एक्सप्रेसवे पर भारी टोल दरों का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। ट्रकों से भारी टोल वसूला जाएगा तो बाजार में सामान महंगा होगा। इसी प्रकार यहां से गुजरने वाली बसों को शुल्क देना होगा तो उसकी वजह से यात्रियों पर बोझ बढ़ेगा। छोटे व्यापारी, किसान और मध्यम वर्ग अंततः इस पूरी व्यवस्था की कीमत चुकाएंगे। यानी यह केवल सड़क उपयोग शुल्क नहीं रहेगा, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला एक अप्रत्यक्ष कर बन जाएगा।

भारत जैसे देश में, जहां बड़ी आबादी सीमित आय पर निर्भर है, वहां महंगे एक्सप्रेसवे सामाजिक असमानता को और बढ़ा सकते हैं। सड़कें तब विकास का माध्यम बनती हैं जब वे सबकी पहुंच में हों। लेकिन अगर आम आदमी अपनी ही जमीन पर बनी सड़क पर चलने से पहले जेब टटोलने लगे, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

इस परियोजना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू इसका वित्तीय मॉडल है। सरकारों का तर्क होता है कि निजी भागीदारी से इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से बनता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि कई परियोजनाओं में जमीन सरकार अधिग्रहित करती है, बैंक ऋण सरकारी गारंटी के सहारे मिलते हैं और जोखिम का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक व्यवस्था उठाती है। इसके बावजूद दशकों तक टोल वसूली और मुनाफे का अधिकार निजी कंपनियों को सौंप दिया जाता है। यहीं से "पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप" और "क्रोनी कैपिटलिज्म" के बीच का अंतर धुंधला पड़ने लगता है।

सरकार को इस पूरे मॉडल पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। जनता को यह जानने का अधिकार है कि निजी निवेश वास्तव में कितना है, सरकारी गारंटी कितनी है और आने वाले वर्षों में टोल से अनुमानित कमाई कितनी होगी। अगर परियोजना में सबसे बड़ा जोखिम जनता और सरकार उठा रहे हैं, तो लाभ का बड़ा हिस्सा निजी हाथों में क्यों जाए?

दुर्भाग्य यह है कि आज देश में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर सवाल उठाना लगभग राष्ट्रविरोध जैसा बना दिया गया है। जैसे ही कोई टोल, लागत या कॉरपोरेट लाभ पर सवाल पूछता है, उसे विकास विरोधी करार देने की कोशिश शुरू हो जाती है। जबकि लोकतंत्र में सवाल पूछना ही जवाबदेही की पहली शर्त है।

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में विकास की राजनीति का स्वरूप बदल गया है। अब बड़े प्रोजेक्ट्स को राष्ट्रवाद से जोड़ दिया जाता है। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और कॉरिडोर को केवल सुविधाओं के रूप में नहीं, बल्कि राजनीतिक उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण के प्रतीकों के रूप में पेश किया जाता है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे यह सवाल दबा दिया जाता है कि इन परियोजनाओं का अंतिम आर्थिक नियंत्रण आखिर किसके हाथ में जा रहा है।

देश में धीरे-धीरे एक ऐसा मॉडल उभर रहा है जहां सार्वजनिक संसाधनों का संचालन सीमित कॉरपोरेट समूहों के हाथों में केंद्रित होता दिखाई दे रहा है। सड़कें, एयरपोर्ट, बंदरगाह, ऊर्जा और डेटा—हर क्षेत्र में यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। यह केवल आर्थिक बदलाव नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन से जुड़ा मुद्दा भी है। क्योंकि जब आर्थिक शक्ति सीमित हाथों में केंद्रित होती है, तो राजनीतिक प्रभाव भी उसी दिशा में झुकने लगता है।

गंगा एक्सप्रेसवे पर असली बहस सड़क की नहीं, व्यवस्था की है। सवाल यह नहीं कि सड़क बननी चाहिए या नहीं। निश्चित रूप से बेहतर सड़कें और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर किसी भी राज्य के विकास के लिए जरूरी हैं। लेकिन विकास का मॉडल ऐसा होना चाहिए जिसमें जनता केवल भुगतानकर्ता न बन जाए।

विवेक विहार अग्निकांड: पीड़ितों को तत्काल सहायता दे सरकार: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली,साहस समाचार।

विवेक विहार क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए सरकार से पीड़ित परिवारों को तत्काल हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को आर्थिक मुआवजा दिया जाए और घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बताया गया है कि विवेक विहार फेज़-1 स्थित बी-13 रिहायशी इमारत में लगी आग में जैन परिवार के नौ सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई।

इस हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका उपचार गुरु तेग बहादुर अस्पताल में जारी है। देवेंद्र यादव ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। घटना के बाद देवेंद्र यादव ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं—डॉ. नरेंद्र नाथ, अनिल भारद्वाज, सुमित शर्मा, राजीव चौधरी, पुनीत मनचंदा, जगत चौधरी, मदन पाल, मनोज गुप्ता और संजू उमरापाल—के साथ घटनास्थल का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में आग की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम लोगों की जान-माल को भारी नुकसान हो रहा है। ऐसे मामलों में प्रशासन को त्वरित और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को इस गंभीर मुद्दे पर किसी प्रकार की राजनीति से ऊपर उठकर कार्य करना चाहिए और पीड़ितों की मदद में तत्परता दिखानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने इस अग्निकांड के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच की मांग भी की।

देवेंद्र यादव ने कहा कि यह त्रासदी इतनी बड़ी है कि शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना देने के लिए शब्द भी कम पड़ जाते हैं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों को पूरी तरह से तबाह कर दिया है और पूरे शाहदरा क्षेत्र में शोक का माहौल है। उन्होंने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर रहने वाले लोग उसमें फंस गए।

हालांकि, अग्निशमन दल और अन्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई से लगभग 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ी संख्या में जानें बचाई जा सकीं।

दिल्ली पुलिस ने 26 साल पुराना हत्या का केस सुलझाया

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में करीब 26 साल पुराने एक सनसनीखेज मर्डर-कम-लूट केस का आखिरकार खुलासा हो गया है। यह मामला इतना पुराना था कि कई लोग मान चुके थे कि अब शायद इसका कोई सुराग नहीं मिलेगा, लेकिन पुलिस की लगातार कोशिशों और तकनीकी जांच के चलते मुख्य आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला साल 2000 में दर्ज हुआ था, जब एक महिला की बेरहमी से हत्या और लाखों रुपये की लूट की वारदात सामने आई थी। इस केस में आरोपी नरेश मुखिया उर्फ नागेश्वर मुखिया लंबे समय से फरार था और अदालत ने उसे पहले ही 'घोषित अपराधी' घोषित कर दिया था।

घटना उस समय की है जब नरेश मुखिया दिल्ली में एक मकान में काम करता था। उसी बिल्डिंग में दूसरी मंजिल पर एक परिवार रहता था, जहां महिला आशा छाबड़ा रहती थीं। बताया जाता है कि आरोपी को यह जानकारी मिली थी कि महिला ने घर बेचकर करीब 35-40 लाख रुपये कैश अपने घर में रखा हुआ है। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। एक दिन जनवरी के महीने में वे सभी मौके पर पहुंचे। उस वक्त घर का दरवाजा खुला हुआ था। आरोपी चुपचाप अंदर घुस गया और अलमारी खोलने लगा।

तभी महिला अचानक वहां आ गईं और शोर मचा दिया। इसी दौरान आरोपियों ने मिलकर महिला को पकड़ लिया और फोन के तार से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी और उसके साथी अलमारी से करीब 8 लाख रुपये और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। इसके बाद यह मामला सालों तक अनसुलझा रहा। पुलिस ने कई बार जांच की कोशिश की, लेकिन आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदलता रहा।

2 करोड़ की रंगदारी में नंदू गैंग का मुख्य सदस्य 'कप्तान' गिरफ्तार

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को दो करोड़ रुपए की रंगदारी के मामले में बड़ी कामयाबी हासिल की है। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में कुख्यात अपराधी कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के एक मुख्य सदस्य और वांछित अपराधी कप्तान को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि कप्तान एक आदतन अपराधी है। वह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, हथियारों के बल पर लूट और आर्म्स एक्ट समेत कई जघन्य आपराधिक मामलों में शामिल है।

अपराध करने के बाद वह बार-बार अपने ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। यह वर्तमान मामला एक हाई-प्रोफाइल रंगदारी से जुड़ा है, जिसमें गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू ने एक व्यक्ति से 2 करोड़ की मांगी थी। पीड़ित की ओर से शिकायत के बाद पुलिस ने 29 अगस्त 2025 को मामला दर्ज किया। जब पीड़ित ने उनकी मांग के आगे झुकने से इनकार कर दिया, तो गैंग के सदस्यों ने पीड़ित के घर की रेकी की और उसे डराने-धमकाने व पैसे ऐंठने के लिए वीडियो फुटेज तैयार किए। अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ता को एक अनजान नंबर से व्हाट्सअप पर एक वीडियो और धमकी भरा मैसेज मिला था, जिसमें उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी और रंगदारी के तौर पर 2 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। जांच के दौरान एक पीसीआर कॉल से सूचना मिली कि दो अनजान लोग एक मोटरसाइकिल पर शिकायतकर्ता के घर की रेकी कर रहे हैं।

बीटैक की डिग्री, चलाता था ट्यूशन सेंटर, फिर बना कुख्यात अपराधी

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एक कुख्यात अपराधी ललित उर्फ मोदी को गिरफ्तार किया है। यह अपराधी स्वरूप नगर पुलिस स्टेशन के मकोका मामले में वांछित था और साथ ही दिल्ली में हथियारों से की गई 8 लूट के मामलों में 'घोषित अपराधी' भी था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी 2019 से अपनी गिरफ्तारी से बच रहा था। वह 19 जघन्य मामलों में शामिल है, जिनमें अलीगढ़ में हुई एक सनसनीखेज हत्या, हथियारों से की गई कई लूट और 2024 में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल व उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ हुई एक मुठभेड़ शामिल है।

उसकी आपराधिक गतिविधियों की गंभीरता और संगठित प्रकृति को समझते हुए दिल्ली पुलिस ने एक टीम का गठन किया था। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी बहुत अधिक घूमता-फिरता था और अक्सर अपनी जगह बदलता रहता था। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपकर काम करता था। टीम ने तब से फरार चल रहे इस अपराधी के बारे में जानकारी और सूत्र जुटाने के लिए लगातार काम किया। संदिग्ध व्यक्तियों पर तकनीकी निगरानी रखी गई। इन चुनौतियों के बावजूद, टीम ने महीनों तक लगातार निगरानी, तकनीकी ट्रैकिंग और खुफिया जानकारी जुटाने का काम किया। टीम की कड़ी मेहनत का अच्छा नतीजा तब मिला।

जब सटीक और विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए टीम ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में उसके छिपने की जगह का पता लगाया। एक सुनियोजित छापा मारा गया, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास बीटैक की डिग्री है और 2015 में संगठित अपराध की दुनिया में कदम रखने से पहले वह एक ट्यूशन सेंटर चलाता था। उसका गिरोह अधिक जोखिम वाली हथियारबंद डकैतियों और वाहन लूटने में माहिर था। वे अक्सर चोरी के वाहनों और यहां तक कि दिल्ली पुलिस की वर्दी का इस्तेमाल करके पीड़ितों को रोकते थे। वह सबसे पहले उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में खैर पुलिस थाने में दर्ज एक सनसनीखेज हत्या के मामले में शामिल था। उसके बाद, उसने और उसके साथियों ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बंदूक की नोक पर कई हथियारबंद डकैतियां कीं।

विवेक विहार अग्निकांड: बंद छत, लोहे की ग्रिल और धुएं के बीच बुझ गई नौ जिंदगियां

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के जो हुआ, उसने राजधानी को भीतर तक हिला दिया। रात की खामोशी में अचानक उठी चीखें, धुएं से भरी सीढ़ियां, खिड़कियों से मदद के लिए पुकारते लोग और कुछ ही मिनटों में आग की लपटों में बदलती चार मंजिला इमारत यह मंजर इतना भयावह था कि जिसने भी देखा, सिहर उठा। इस अग्निकांड में डेढ़ साल के मासूम समेत नौ लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि 12 लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

पुलिस अधिकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 3:47 बजे हुआ, जब विवेक विहार फेस-1 स्थित बी-13 नंबर की चार मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर लगे एसी में कथित शॉर्ट सर्किट के बाद धमाका हुआ और आग भड़क उठी। कुछ ही मिनटों में लपटों ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद 14 फायर टेंडर और दिल्ली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। यह बिल्डिंग बाहर से जितनी सामान्य दिख रही थी, अंदर उतनी ही खतरनाक साबित हुई।

कुल आठ फ्लैटों वाली इस इमारत में हर मंजिल पर दो फ्लैट थे, लेकिन बाहर निकलने के लिए सिर्फ एक संकरी सीढ़ी और एक लिफ्ट थी। आग लगते ही बिजली गुल हो गई और लिफ्ट बंद पड़ गई। धुआं और लपटें सीढ़ियों में भर गईं, जिससे लोगों के लिए बाहर निकलना लगभग असंभव हो गया। कई फ्लैटों में लगी लोहे की ग्रिल मौत का फंदा बन गई। लोग चाहकर भी खिड़की या बालकनी से बाहर नहीं निकल सके। सबसे भयावह स्थिति तब बनी जब जान बचाने के लिए कई लोग छत की ओर भागे, लेकिन वहां पहुंचकर पता चला कि छत का दरवाजा बंद है। यह बंद दरवाजा उन लोगों के लिए मौत की दीवार साबित हुआ, जो ऊपर जाकर अपनी जान बचाना चाहते थे। बाद में दमकलकर्मियों को तीसरी मंजिल की सीढ़ियों के पास से तीन शव मिले, जो इसी बंद दरवाजे के पास पड़े थे। दमकल विभाग के अनुसार, एक शव पहली मंजिल से, पांच शव दूसरी मंजिल से और तीन शव तीसरी मंजिल की सीढ़ियों के पास से बरामद किए गए।

मृतकों में दो महिलाएं, एक बच्चा और छह पुरुष शामिल हैं। हादसे में जिन लोगों की जान गई। उनमें दूसरी मंजिल पर रहने वाले अरविंद जैन, उनकी पत्नी अनीता जैन, पुत्र निशांत जैन, बहू अंचल जैन और मासूम आकाश जैन शामिल हैं। पहली मंजिल की निवासी शिखा जैन भी आग की चपेट में आकर दम तोड़ गईं। वहीं तीसरी मंजिल पर रहने वाले नितिन जैन, उनकी पत्नी शैले जैन और पुत्र सम्यक जैन की भी इस हादसे में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक अरविंद जैन पेशे से फाइनेंसर थे, उनकी पत्नी गृहिणी थीं और बेटा निशांत जैन कंपनी सेक्रेटरी के रूप में कार्यरत था। एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया है।

पुरानी दिल्ली में स्टेशन के दोनों तरफ बनेंगे यात्री सुविधा शिविर

नई दिल्ली,साहस समाचार।

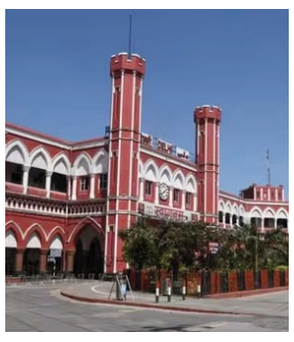

यात्रियों की सुविधा एवं भीड़ नियंत्रित करने के लिए पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर दोनों तरफ यात्री सुविधा शिविर बनाने का निर्णय लिया गया है। चांदनी चौक की तरफ मोरी गेट के मुकाबले ज्यादा बड़ा यात्री सुविधा शिविर होगा क्योंकि इस तरफ मेट्रो होने के चलते ज्यादा यात्री आते हैं। इसके साथ ही स्टेशन के भीतर बने फुट ओवर ब्रिज को भी चौड़ा किया जाएगा ताकि लोगों को आवाजाही के दौरान भीड़ का सामना न करने पड़े। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुरानी दिल्ली राजधानी का प्रमुख रेलवे स्टेशन होने के साथ ही सबसे पुराना स्टेशन भी है। यह स्टेशन मेट्रो स्टेशन के पास है और यहां भी त्योहारों के समय यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। इसे ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय के आदेश पर यहां यात्री सुविधा शिविर बनाने की तैयारी चल रही है।

नई दिल्ली स्टेशन पर जहां अजमेरी गेट दिशा में केवल एक यात्री सुविधा शिविर बनाया गया है तो वहीं पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चांदनी चौक और मोरी गेट दोनों ही तरफ यात्री सुविधा शिविर बनाने की तैयारी चल रही है। यात्री स्टेशन परिसर में पहले यहां ठहरेंगे और गाड़ी चलने के समय प्लेटफॉर्म पर जाएंगे। चांदनी चौक की तरफ यात्री सुविधा शिविर बनाने के लिए बड़े कार्यालयों को खाली कराया गया है।

यहां तीन जोन बनाए जाएंगे जिनमें टिकट लेने से पूर्व, टिकट काउंटर वाला और टिकट के बाद वाला जोन होगा। आखिली जोन से यात्री सीधे प्लेटफॉर्म पर जा सकेंगे। यहां स्टेशन की इमारत के सामने वाले रास्तों को सीधे फुटपाथ से जोड़ा जाएगा ताकि पैदल आने वाले यात्री आसानी से अंदर तक आ सकें। चांदनी चौक एवं मोरी गेट की तरफ आरक्षित टिकट एवं अनारक्षित टिकट से प्रवेश के रास्तों को भी नई दिल्ली की तरह अलग किया जाएगा ताकि भीड़ नियंत्रित करने में मदद मिले। वहीं मोरी गेट की तरफ टिकट घर के पास ही यात्री सुविधा शिविर बनाया जाएगा। यहां बैठने की व्यवस्था के साथ शौचालय भी तैयार किया जाएगा।

वाहनों की आवाजाही में भी होगा सुधार चांदनी चौक एवं मोरी गेट की तरफ वाहनों की व्यवस्था एवं पार्किंग में भी सुधार किया जा रहा है।

संपादकीय

घोर लापरवाही : जीवन की कीमत पर पर्यटन

इसे हादसा कहें या बदहाल और गैर जिम्मेदार भ्रष्ट व्यवस्था की हद दर्जे की लापरवाही जिसके चलते करीब पन्द्रह हंसती खेलती जिंदगी मौत के आगोश में समा गयीं और दर्जनें भर परिवारों को कभी न भूलने वाला दुख दे गयीं। 30 अप्रैल गुरुवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है।जबलपुर जिले के बरगी बांध क्रूज हादसे को तीन दिन से अधिक समय बीत चुका है। लेकिन अब भी कुछ लोग लापता हैं। उनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अपनों की उम्मीद है कि टूटती नहीं। आंखें टकटकी लगाए उनका इंतजार देख रही हैं। आपको बता दें जबलपुर मप्र के खास पर्यटन स्थल बरगी डैम में गुरुवार 30 अप्रेल की शाम पर्यटकों की खुशियां मातम में बदल गईं। डैम के खमरिया टापू के पास एक क्रूज अचानक आए तेज तूफान के कारण अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया। हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 से 40 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग यहां घूमने के लिए निकले थे। अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख पुकार मच गई।शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसे के समय क्रूज नर्मदा नदी के बैकवाटर में मौजूद था। इस बीच तभी अचानक मौसम बदला गया और तेज हवाओं के साथ तूफान आने लगा। ये तूफान इतना जबरदस्त था कि क्रूज अपना संतुलन खोने लगा और कुछ ही समय में पानी में पलट गया। जानकारी के अनुसार, पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक नर्मदा में पलट गया। पानी से लबालब बांध में जब लोग डूबे तो हर किसी की आंखें सिर्फ अपनों को ढूंढ रही थीं। किसी ने आंखों के सामने पत्नी खो दी तो किसी ने मां और भाई। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। ये लोग किसी के मां-बाप, भाई, बहन थे। सोचिए उन लोगों पर क्या बीत रही होगी, पलक झपकते ही जिसके अपने आंखों से ओझल हो गए। उनके अपने डूबते रहे और वे बेबस होकर देखते रहे। चीख-पुकार और मदद की गुहार भी काम नहीं आई।

जबलपुर क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। पति, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी पिकनिक मनाने क्रूज पर चढ़े। हादसे के दौरान पिता और बेटी किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन मां और बेटा क्रूज के भीतर ही फंस गए थे। आज सुबह मां का अपने बेटे को सीने से चिपकाए हुए शव मिला। मानो आखिरी पल तक उसे बचाने की कोशिश कर रही हो। यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं। जबलपुर के सिविल लाइन इलाके के रहने वाले सैयद रियाज हुसैन की पत्नी, नाती और समधन लापता हैं। वह परिवार के साथ क्रूज की सवारी का आनंद लेने गए थे। वो कहां जानते थे कि डैम में मौत दस्तक दे रही है। सैयद तो बच गए, लेकिन उनके परिजन अभी भी लापता हैं। वह बेबस और लाचार हैं और किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

एक छोटी सी बच्ची मां-पिता और भाई के साथ कुछ देर पहले जो हंसी के ठहाके लगा रही थी उसकी आंखों में सिबाय दर्द के कुछ दिखाई नहीं दे रहा। बच्ची बुरी तरह डरी, सहमी और घबराई हुई है। पापा तो मिल गए लेकिन मम्मी, भाई और नाना का कुछ अता-पता नहीं है। वहीं नानी की डूबने से मौत हो गई है। पल भर में उसकी खुशियां मातम में बदल गईं। जबलपुर क्रूज हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही बरगी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया है। टीम लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटी और पानी के भीतर सर्च ऑपरेशन चलाया गया ।

सवाल यह है कि यह हादसा अनगिनत लापरवाही और अव्यवस्था का ईशारा करता है जब मौसम विभाग की पचास किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी तूफान आने की चेतावनी जारी थी तब क्रूज का नदी में संचालन क्यों किया गया?

नफरत की आग कब बुझेगी? अब कारपोरेट जिहाद

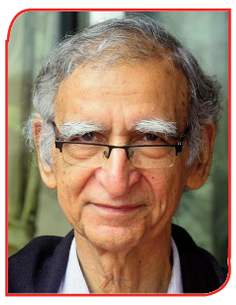

राम पुनियानी

पुलिस की जांच, जिसकी सराहना राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस तक ने की, के अनुसार टाटा कन्सलटेंसी सर्विसिस (टीसीएस) में धर्मपरिवर्तन कराने की एक योजनाबद्ध साजिश को अमल में लाया जा रहा था। कुछ मुस्लिम कर्मचारी (जिनकी संख्या सात थी) हिंदू कर्मचारियों को लालच देकर और डरा धमका कर उनसे नमाज पढ़वाने और उन्हें गौमांस खिलाने का अभियान चला रहे थे।

हाल में महाराष्ट्र का नासिक शहर दो बार अखबारों की सुर्खियों में रहा। पहली बार अशोक खरात के मामले को लेकर, जो एक ढ़ोंगी बाबा था और महिलाओं, खासकर समाज के उच्च वर्ग की महिलाओं, का यौन शोषण करता था। उसने अपनी छवि एक चमत्कारी बाबा की बनाने के लिए कुछ नए तरीके अपनाए। वह लोगों को उनका अतीत, वर्तमान और भविष्य बताकर प्रभावित करता था। वह महिलाओं को ब्रेन वाश कर उन्हें अपना अनुयायी बनाता था और उन्हें अपना सब कुछ उसे समर्पित कर देने के लिए राजी कर अपनी शारीरिक भूख मिटाता था। उसने सांप और अन्य जंगली जानवर पाले हुए थे और वह इन जानवरों से महिलाओं को डराकर कर उन्हें अपनी बात मानने के लिए मजबूर करता था। अंधश्रद्धा के इसी क्रम में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, धीरेन्द्र शास्त्री, जिन्हें बागेश्वर धाम बाबा के नाम से जाना जाता है, से मिलने गए। यहां यह बताना प्रासंगिक होगा कि गवई यह दावा करते हैं कि वे डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के अनुयायी हैं। अम्बेडकर केवल और केवल तार्किकता में विश्वास रखते थे।

इस मामले को मीडिया ने थोड़ा-बहुत कव्हर किया और बजरंग दल और उसके जैसे अन्य संगठन चुप्पी साधे रहे क्योंकि यह एक हिन्दू बाबा द्वारा हिन्दू महिलाओं के दैहिक शोषण का मामला था मगर चूंकि इसमें कोई मुसलमान शामिल नहीं था।

लेकिन इसके कुछ ही दिनों बाद नफरती तत्वों को इसी नासिक से नफरत की आग भड़काने के लिए पुलिस की एक रिपोर्ट के रूप में भरपूर ईंधन मिल गया। इस रपट में एक हिंदू लड़की ने दावा किया था कि एक मुस्लिम कर्मचारी उसका यौन शोषण कर रहा है। इस मुस्लिम कर्मचारी का इस लड़की से अफेयर चल रहा था और लड़की के मुताबिक उस मुस्लिम युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था, किंतु बाद में वह मुकर गया। पुलिस को की गई इस शिकायत से पुलिस और हिन्दुत्ववादी तत्वों को सक्रिय होने का अवसर मिल गया और पुलिस की एक गोपनीय कार्यवाही शुरू हुई।

पुलिस की जांच, जिसकी सराहना राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस तक ने की, के अनुसार टाटा कन्सलटेंसी सर्विसिस (टीसीएस) में धर्मपरिवर्तन कराने की एक योजनाबद्ध साजिश को अमल में लाया जा रहा था। कुछ मुस्लिम कर्मचारी (जिनकी संख्या सात थी) हिंदू कर्मचारियों को लालच देकर और डरा धमका कर उनसे नमाज पढ़वाने और उन्हें गौमांस खिलाने का अभियान चला रहे थे। इस मामले से जुड़ी खबरें मीडिया में छाई हुई हैं और एक नया शब्द 'कारपोरेट जिहाद गढ़ लिया गया है। इससे आशय यह है कि बड़ी कंपनियों में मुस्लिम कर्मचारी लव जिहाद और धर्मपरिवर्तन में जुटे हुए हैं। टीसीएस ने सभी आरोपी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया,

और कहा कि कदाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। टाटा सन्स के प्रमुख एन. चन्द्रशेखरन ने इन आरोपों को 'अत्यंत चिंतानक' बताया।

'सिटीजन्स कमेटी, मुंबई (एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्षन ऑफ सिविल राईट्स और पीयूसीएल की संयुक्त समिति), निरंजन टल्के और अन्यों ने इस मामले की जांच-पड़ताल की। जांच पूरी होने के बाद उन्होंने मुंबई में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। टल्के ने बताया कि पुलिस की जांच में कई गड़बड़ियां और कमियां हैं। पहली, यह कि निदा खान, जो एचआर विभाग की प्रमुख थी, महिला कर्मचारियों को मजबूर करके अपना शिकार बनाती थी। सच यह है कि निदा खान एचआर विभाग की प्रमुख नहीं बल्कि मात्र एक टेलिकालर थी। यह दावा कि इस साजिश पर पिछले चार सालों से अमल किया जा रहा था, बिल्कुल गलत है क्योंकि टीसीएस के नासिक कार्यालय से धर्मपरिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार करने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। धर्म परिवर्तन की एक घटना जरूर हुई है जिसमें जहाना नाम की एक ईसाई लड़की ने हिंदू धर्म ग्रहण किया है।

समिति ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, वे अन्य लोगों को जबरदस्ती गौमांस खिलाते थे। क्या यह मुमकिन है कि थोड़े से कर्मचारी अन्य कर्मचारियों को, जिनकी संख्या उनसे कई गुना अधिक है, को कुछ भी खाने के लिए मजबूर कर सकें।

इसके अलावा मुख्य आरोपी दानिश शेख पर दुष्कर्म और उस लड़की से अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाने का जो आरोप लगाया गया है, वह भी सच नहीं लगता क्योंकि दानिश की पत्नि और तथाकथित पीड़ति लड़की के बीच व्हाटसएप पर संदेशों का आदान-प्रदान होता रहता था। साथ ही यह लड़की दानिश के साथ मोटरसाईकिल पर नासिक से 27 किलोमीटर दूर पर्यटन स्थल त्रयंबकेश्वर गई थी।

यह सवाल किए जाने पर कि मुस्लिम कर्मचारियों की छवि बिगाड़ने की इस योजना का उद्धेश्य क्या है, टल्के ने कहा कि ऐसा लगता है कि इसका उद्धेश्य सभी मुसलमानों के प्रति नफरत बढ़ाना था। पत्रकार वार्ता में मौजूद तीस्ता सीतलवाड, जो मानवाधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अथक प्रयास करती रहती हैं, ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह सुनिश्चितत करने का योजनाबद्ध प्रयास किया जा रहा है कि कंपनियां शिक्षित मुस्लिम युवाओं को नौकरी न दें। यह शिक्षित मुसलमानों पर उन्हें बदनाम करने के उद्धेश्य से किया गया हमला है। इस पूरे मामले को साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा इन दो लक्ष्यों की पूर्ति के लिए उठाया गया है।

समिति के सदस्यों ने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि मीडिया द्वारा तथ्यों की पुष्टि किए बिना दहशत पैदा करने का यह काम बहुत परेशान करने वाला है। निदा खान, जिसे इस पूरी साजिश का मुख्य पात्र बताया जा रहा है, का कई महीने वाले मुंबई कार्यालय में स्थानांतरण हो चुका था जहां वह अपने परिवार के साथ रह रही थी।

'हिंदू खतरे में हैं' की धारणा को एक बार फिर खाद-पानी दिया जा रहा है। धर्मपरिवर्तन और लव जिहाद का प्रोपेगेंडा इसके मुख्य हथियार नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही इसका उद्धेश्य टीसीएस जैसी कंपनियों में मुसलमानों को रोजगार मिलने की संभावना को कम करना भी है। यौन उत्पीड़न की घटनाओं के संबंध में अशोक खरात के मामले को दबाने और दानिश के मामले को बढ़ा-चढ़ाकर, झूठ का सहारा लेकर, उछालने का मीडिया का यह रवैया अत्यंत निंदनीय है।

हम यहां से किस तरफ जाएंगे? साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा गढ़ा गया आख्यान कुछ ही घंटों में समाज को जकड़ लेता है जबकि पूरी सच्चाई सामने आने में कई दिन या हफ्ते लग जाते हैं। साम्प्रदायिक शक्तियों द्वारा स्थापित किया गया तंत्र, मीडिया की मदद और जांच एजेन्सियों का पक्षपातपूर्ण रवैया एक खतरनाक मिश्रण है जो नफरत बढ़ाता है और अल्पसंख्यक समुदाय को हाशिए की ओर धकेल देता है।

जहां तक लव जिहाद की बात है, यह बांटने वाली ताकतों के हाथ आया बहुत बड़ा हथियार है जिसके जरिए वे हिंदू लड़कियों की आजादी पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाने में कामयाब हो रहे हैं। इस मामले में की गई गहन जांच-पड़तालों से यह निष्कर्ष निकलता है कि यह कपोल कल्पित प्रोपेगेंडा के अलावा कुछ नहीं है। हादिया (धर्मपरिवर्तन के पूर्व अखिला) के मामले सहित ऐसे ज्यादातर मामले जो न्यायालयों तक पहुंचे, में यह साबित हुआ कि लड़कियों द्वारा स्वतंत्रतापूर्वक, स्वेच्छा से फैसले लिए गए थे। 'केरेला स्टोरी' फिल्म ने इस दिशा में प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका अदा की। मुसलमान लव जिहाद और धर्मपरिवर्तन के जरिए अपनी जनसंख्या बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, यह आरोप इतनी बार दुहराया गया है कि लोग इसे सुनते-सुनते ऊब गए हैं। यह हिंदू राष्ट्रवादियों द्वारा अत्यंत कुशलता पूर्वक चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है जिसके निशाने पर मुस्लिम समुदाय है। अब वे योजनाबद्ध तरीके से टीसीएस जैसे मामले उठाकर मुस्लिम युवकों के रोजगार हासिल करने की राह में बाधाएं खड़ी कर रहे हैं।

हमें याद है कि कोविड-19 महामारी के दौरान 'कोरोना जिहाद जैसे शब्द गढ़े गए थे। उस समय यह प्रोपेगेंडा फैलाया गया था कि मुसलमान कोरोना फैला रहे हैं, इसलिए फेरी लगाकर सामान बेचने वाले मुसलमानों को कालोनियों में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। अब मुस्लिम दुकानदारों का बहिष्कार करने के आव्हान खुलेआम हो रहे हैं।

कई लोग यह दावा कर रहे हैं कि साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाओं में गिरावट आ रही है और पिछले कुछ वर्षों में कोई बड़ा साम्प्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। मगर हिंसा की छोटी-मोटी, विभिन्न इलाकों में छितरी हुई घटनाएं बड़ी संख्या में हो रही हैं जो हिंसा का ही एक रूप है। यह कई स्वरूपों में हो रहा है और अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है। संबंधित संस्थानों को इस मामले की पूर्णतः सत्य और निष्पक्ष रपट जारी करनी चाहिए। टीसीएस जैसी कंपनियों को झूठे प्रोपेगेंडा का भंडाफोड़ करना चाहिए, झूठे आरोपों में फंसा दिए गए अपने निर्दोष कर्मचारियों की नौकरी बहाल करनी चाहिए, और दोषियों को दंड दिलवाने में मदद करनी चाहिए।

भारत में बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं

कान्तिलाल मांडोत

मध्य प्रदेश के धार जिले में हाल ही में हुआ भीषण सड़क हादसा एक बार फिर देश को झकझोर गया। मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन, जिसमें क्षमता से कहीं अधिक लोग सवार थे, टायर फटने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गया और दूसरी दिशा में जाकर एक अन्य वाहन से टकरा गया। इस दर्दनाक घटना में कई लोगों की जान चली गई, जिनमें मासूम बच्चे भी शामिल थे। यह कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि भारत में हर साल होने वाली हजारों सड़क दुर्घटनाओं की लंबी और चिंताजनक श्रृंखला का एक हिस्सा है।

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बेहद अधिक है। हर साल लाखों लोग दुर्घटनाओं में घायल होते हैं और हजारों लोगों की जान चली जाती है। इन हादसों के पीछे कई कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है तेज रफ्तार, यातायात नियमों की अनदेखी, वाहन चालकों की लापरवाही और सड़कों की खराब स्थिति। इसके अलावा ओवरलोडिंग और ओवरटेकिंग जैसी गलत आदतें भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देती हैं।

तेज रफ्तार आज के समय में सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। लोग समय बचाने या जल्द गंतव्य तक पहुंचने की होड़ में अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल देते हैं। वाहन चलाते समय गति सीमा का पालन न करना एक आम समस्या बन गई है। खासकर हाईवे पर लोग 80-100 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे भी अधिक गति से वाहन चलाते हैं, जिससे जरा सी चूक भी बड़ी दुर्घटना का रूप ले लेती है।

इसके साथ ही ओवरलोडिंग भी एक गंभीर समस्या है। धार की घटना में भी देखा गया कि पिकअप वाहन में क्षमता से अधिक मजदूर सवार थे। इस तरह की लापरवाही अक्सर ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में देखने को मिलती है, जहां लोग सस्ते और आसान परिवहन के लिए जोखिम उठाते हैं। लेकिन जब हादसा होता है, तो इसका परिणाम बेहद भयावह होता है।

भारत में सड़कों की स्थिति भी कई जगहों पर दुर्घटनाओं का कारण बनती है। गड्ढों से भरी सड़कें, अधूरी निर्माण प्रक्रिया, खराब संकेत व्यवस्था और अंधे मोड़ जैसी समस्याएं अक्सर दुर्घटनाओं को न्योता देती हैं। कई बार सड़क निर्माण में गुणवत्ता की कमी भी सामने आती है, जिससे सड़क जल्दी खराब हो जाती है और दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।

ड्राइवर की लापरवाही और थकान भी एक बड़ा कारण है। कई ड्राइवर लंबे समय तक लगातार वाहन चलाते हैं, जिससे उनकी एकाग्रता कम हो जाती है। नींद के झोंके में वाहन चलाना बेहद खतरनाक होता है। कई बड़े हादसों में यह पाया गया है कि ड्राइवर की थोड़ी सी झपकी ने कई जिंदगियां छीन लीं।

अगर पिछले एक साल की बड़ी सड़क दुर्घटनाओं पर नजर डालें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। देश के विभिन्न राज्यों में हुए हादसों में सैकड़ों परिवार उजड़ गए। कहीं बस खाई में गिर गई, तो कहीं ट्रक और कार की टक्कर में पूरा परिवार खत्म हो गया। कई मामलों में शादी या धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे लोग दुर्घटना का शिकार हो गए। इन घटनाओं में एक समानता देखने को मिलती है—ज्यादातर हादसे मानवीय गलती या लापरवाही के कारण हुए।

उत्तर भारत में कई ऐसे हादसे हुए जहां बसें नदी या खाई में गिर गईं। दक्षिण भारत में तेज रफ्तार कारों की टक्कर से कई लोगों की मौत हुई। पश्चिम भारत में हाईवे पर ट्रकों की भिड़ंत ने बड़े नुकसान पहुंचाए। इन सभी घटनाओं ने यह साबित किया कि सड़क सुरक्षा के मामले में अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है।

सरकार ने सड़क सुरक्षा के लिए कई नियम बनाए हैं, जैसे हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, शराब पीकर वाहन न चलाना और गति सीमा का पालन करना। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस द्वारा चालान और सख्ती भी की जाती है। लेकिन इन नियमों का पालन तभी संभव है जब आम लोग जागरूक हों और अपनी जिम्मेदारी समझें।

दुर्घटनाओं के बाद सरकार द्वारा मुआवजा दिया जाता है, जैसे मृतकों के परिवार को आर्थिक सहायता और घायलों के इलाज का खर्च। लेकिन यह सहायता उस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती जो एक परिवार अपने किसी सदस्य को खोने के बाद झेलता है। कई बार परिवार का एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति ही दुर्घटना का शिकार हो जाता है, जिससे पूरे परिवार का भविष्य संकट में पड़ जाता है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केवल सरकार ही नहीं, बल्कि समाज और हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हमें वाहन चलाते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए और दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। वाहन की नियमित जांच और रखरखाव भी जरूरी है, ताकि तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटना न हो।

स्कूल और कॉलेज स्तर पर भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने की जरूरत है। युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि तेज रफ्तार और स्टंट करना कोई बहादुरी नहीं, बल्कि यह जानलेवा हो सकता है। मीडिया और सोशल मीडिया भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अंततः यह समझना होगा कि सड़क पर हर व्यक्ति की जान की कीमत बराबर है। एक छोटी सी गलती कई जिंदगियों को खत्म कर सकती है। इसलिए जब भी हम सड़क पर निकलें, तो जिम्मेदारी और सावधानी के साथ वाहन चलाएं।

धार जैसी घटनाएं हमें चेतावनी देती हैं कि अगर हमने अभी भी नहीं संभले, तो ऐसे हादसे आगे भी होते रहेंगे। जरूरत है सख्त नियमों के साथ-साथ मजबूत इरादों की, ताकि हम एक सुरक्षित और जिम्मेदार यातायात व्यवस्था बना सकें।

भारतः एकात्म चिंतन की जन्मभूमि

हम सब सोचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निर्माता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या हैं? सूर्य चन्द्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे सम्बंध क्या हैं? आदि।

आखिरकार अस्तित्व को कैसे जाने? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है-जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोडें? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढें? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले ही वैज्ञानिक चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था। ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रूक जाना उचित नहीं होता।

सामान्य धारणा है कि विश्व किसी शक्ति द्वारा बनाया गया है। सृष्टि निर्माण 'विश्वकर्म' है। सृष्टि निर्माता को विश्वकर्मा कहा गया है। ऋग्वेद के एक दार्शनिक सूक्त (10.81) के देवता विश्वकर्मा हैं। ऋषि पूछते हैं "सृष्टि निर्माण के पहले वे कहां पर बैठे?" प्रश्न उचित है। जब पृथ्वी, आकाश आदि थे ही नहीं तो विश्वकर्मा ने कहां बैठकर यह सृजन कर्म पूरा किया? पूछते हैं कि "सृष्टि निर्माण का मूल द्रव्य क्या था? वह वन, वृक्ष कौन-सा था? जिससे विश्वकर्मा ने सामग्री ली और विराट विश्व बनाया? यह सब मनीषी लोग जानने का प्रयास करें।" स्तुति है कि "वे विश्वकर्मा मित्र भाव से हमें ज्ञान दें।"

ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि "देवताओं के पहले युग समय में असत से सत का जन्म हुआ।" (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन 'समय' है। ऋग्वेद में सत का अर्थ व्यक्त है और असत का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं "तब न सत था और न असत। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।" यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था। ऋषि के अनुसार वह एक-तत एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का 'वह एक' सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है- अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गयी। फिर विसृष्टि हुई।" फिर कहते हैं "क्या पता ऊंचे आकाशें में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है।

क्या अंधकार होता है? या प्रकाश के अभाव का नाम ही अंधकार है। अंधकार सृष्टि के पूर्व भी है। संभवतः आकाश या प्रकाश का सूक्ष्म रूप। 'वह एक' बिना वायु ही प्राण ले रहा था। क्या प्राण का विकास वायु हो सकती है। काम का जन्म भी सृष्टि के साथ हुआ। यह ताप या अग्नि ऊर्जा का सूक्ष्म रूप हो सकता है। सबसे अंत में है-विसृष्टि। विसृष्टि-सृष्टि है, इसमें पृथ्वी भी है। भारतीय चिंतन में आकाश सूक्ष्मतम है। आकाश से वायु, वायु के बाद अग्नि, इसके बाद जल और फिर पृथ्वी। सृष्टि का विकास किसी एक तत्व से हुआ है। यहां आकाश प्रमुख तत्व है। कपिल के सांख्य दर्शन में आकाश प्राचीनतम है। भारतीय चिन्तन के पांच महाभूतों में से प्रथम।

भारतीय दर्शन में असीम आकाश का गुण शब्द है। आकाश का अस्तित्व है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार "सभी भूत आकाश से पैदा होते हैं और आकाश में ही विलीन हो जाते हैं।" आकाश से आना और आकाश में ही लौटना विचारणीय है।

राष्ट्र के 'विश्वकर्मा' श्रमिकों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध: मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी।

श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि श्रमिक राष्ट्र के 'विश्वकर्मा' हैं और उनके कल्याण, सुरक्षा तथा सम्मान को सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डॉ. मांडविया ने रविवार को कर्नाटक के डोड्डाबल्लापुर में 100 बिस्तरों वाले कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के निर्माण और विकास में श्रमिकों की भूमिका सबसे अहम है।

इसलिए सरकार उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार श्रमिकों को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ईएसआईसी नेटवर्क का विस्तार कर रही है और देशभर में नए अस्पताल तथा औषधालय स्थापित किए जा रहे हैं। डॉ. मांडविया ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के दायरे में तेजी से विस्तार हुआ है और अब बड़ी संख्या में श्रमिक विभिन्न योजनाओं से जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रमिकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

वैश्विक कच्चे तेल के झटके के बावजूद ईंधन वितरण स्थिर: जोशी

चित्रदुर्ग,एजेंसी।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर बढ़ते दबाव के बावजूद पूरे भारत में ईंधन वितरण स्थिर बना हुआ है। जोशी ने रविवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार बदलती वैश्विक स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है और पूरे देश में निर्बाध ईंधन उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता देखने को मिलने के बावजूद, भारत का ईंधन आपूर्ति नेटवर्क सुचारू रूप से काम करता रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, गैस की कीमतों में बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय बाजार के घटनाक्रमों और विश्व स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़ी है। इन चुनौतियों के बावजूद, देश में ईंधन वितरण स्थिर बना हुआ है।

जोशी ने ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के लिए राज्य-स्तरीय कर को भी ज़िम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें तीन बार बढ़ाई हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर और बोझ पड़ा है।केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी ईंधन और एलपीजी की बढ़ती कीमतों के कारण पैदा हुए महंगाई के दबाव को लेकर बढ़ती

चिंताओं के बीच आई है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में फिर से उतार-चढ़ाव देखने को मिला है, जिससे दुनिया भर में ऊर्जा की लागत में और बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है। विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर अपना हमला तेज़ कर दिया है।

मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) नेता वाइको ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की कड़ी आलोचना की और दावा किया कि 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे रेस्टोरेंट, चाय की दुकानों, होटलों और खाना पकाने वाली गैस पर निर्भर छोटे व्यवसायों पर बुरा असर पड़ा है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि फरवरी से अब तक वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 1,380 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो सिर्फ़ तीन महीनों में 81 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

इस बीच, उद्योग विश्लेषकों ने आगाह किया कि कच्चे तेल की कीमतों का लगातार ऊँचा बने रहना विमानन और परिवहन सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक असर डाल सकता है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल की बढ़ती लागत से एयरलाइंस का परिचालन खर्च बढ़ने की उम्मीद है, जिससे हवाई किराया बढ़ सकता है और मुनाफ़ा कम हो सकता है।

वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद, केंद्र सरकार ने कहा कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति नियंत्रण में है, और उसके पास पर्याप्त ईंधन भंडार तथा स्थिर वितरण व्यवस्था मौजूद है।

शिवकुमार न्यायपालिका का अपमान कर रहे हैं: भाजपा

बेंगलुरु, एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता चलवादी नारायणस्वामी ने श्रृंगेरी विधानसभा सीट पर पुनर्मतगणना को लेकर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की टिप्पणियों पर हमला बोला है जिससे कर्नाटक में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता श्री नारायणस्वामी ने श्री शिवकुमार पर 'न्यायपालिका का अपमान करने' और फैसले के बाद 'वोट चोरी का नैरेटिव' गढ़ने का आरोप लगाया है।

यह विवाद श्रृंगेरी में अदालत की निगरानी में हुई पुनर्मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू हुआ है। पुनर्मतगणना में कांग्रेस उम्मीदवार टीडी राजेगौड़ा को मिले वोटों की संख्या कम हो गयी है।

इसके चलते मौजूदा कांग्रेस विधायक को 52 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा है। नारायणस्वामी ने कहा कि श्री शिवकुमार का पुनर्मतगणना की प्रक्रिया को आपराधिक गतिविधि बताना सीधे तौर पर न्यायपालिका पर सवाल उठाने जैसा है।

उन्होंने कहा, अदालत के निर्देश पर होने वाली प्रक्रिया को आपराधिक कृत्य कहना संवैधानिक संस्थाओं का अपमान है।ह उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर रही है और फैसला अपने पक्ष में न आने पर 'वोटों की चोरी का झूठा नैरेटिव' बनाने की कोशिश कर रही है। हमले को और पैना करते हुए श्री नारायणस्वामी ने कहा, वोट चोरी का मतलब कांग्रेस है और कांग्रेस का मतलब वोट चोरी। उन्होंने दावा किया कि इस पुनर्मतगणना ने ऐसे आरोपों के पीछे की सच्चाई को उजागर कर दिया है।

अनियमितताओं के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया अदालत की देखरेख में हुई थी और अधिकारियों ने निष्पक्ष रूप से काम किया है। उन्होंने कहा, अदालत की निगरानी वाली प्रक्रिया में अधिकारी किसी भी दल के लिए काम नहीं कर सकते। शिवकुमार की कानूनी लड़ाई की चेतावनी पर श्री नारायणस्वामी ने कहा कि यह 'राजनीतिक हार को छिपाने' की कोशिश है। उन्होंने कहा, जो लोग जनमत का सम्मान नहीं करते, उन्हें संस्थानों पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है।

इंदौर में जुटेगा ब्रिक्स देशों का जमावड़ा

इंदौर,एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ तैयारियों की समीक्षा के बाद घोषणा की कि भारत की अध्यक्षता में 9 से 13 जून 2026 तक इंदौर में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन न केवल वैश्विक खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर नई दिशा देगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की कृषि क्षमता और मालवा की मेहमाननवाज़ी का सशक्त प्रदर्शन भी करेगा। यह महत्वपूर्ण आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को मिली ब्रिक्स की अध्यक्षता के तहत किया जा रहा है।

'हिंदू राष्ट्र' वाली टिप्पणी को लेकर मोहन भागवत के खिलाफ शिकायत दर्ज

नागपुर,एजेंसी।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की ओर से भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बताये जाने वाले बयान को लेकर नागपुर के यशोधरा नगर पुलिस स्टेशन में सामाजिक कार्यकर्ता जनार्दन मून ने शिकायत दर्ज करायी है। मून ने इन टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए इसे असंवैधानिक और भारतीय संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के विपरीत बताया है। इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक संघ प्रमुख की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है।

शिकायत के अनुसार, भागवत ने 29 अप्रैल को कहा था कि भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है और इसे औपचारिक रूप से घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। मून ने आरोप लगाया कि यह बयान धर्मनिरपेक्षता, समानता, धार्मिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता जैसे संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन करता है और इससे सामाजिक वैमनस्य पैदा हो सकता है। अपनी शिकायत में मून ने संविधान की प्रस्तावना और अनुच्छेद 14, 15 तथा 25 से 28 सहित विभिन्न प्रावधानों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस तरह के बयानों से सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ सकता है और लोकतांत्रिक मूल्यों को ठेस पहुंच सकती है। शिकायत में महात्मा गांधी, डॉ. बी.आर. अंबेडकर, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस और अन्य राष्ट्रीय नेताओं के योगदान का भी उल्लेख किया गया है।

सार समाचार

कांग्रेस आज बुलढाणा में 'अन्नदाता संघर्ष पदयात्रा' करेगी

बुलढाणा,एजेंसी। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस ने चार मई को बुलढाणा जिले में "अन्नदाता संघर्ष पदयात्रा" के आयोजन की घोषणा की है। यह पदयात्रा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के नेतृत्व में कल मानेगांव से शुरु होकर जलगांव जामोद तक जाएगी। पार्टी के अनुसार यह पदयात्रा केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकारों के तहत पिछले 12 सालों में किसानों की परेशानी की ओर ध्यान आकृष्ट करने के लिए की जा रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि किसानों को उनकी उपज का सही दाम नहीं मिल रहा है। जबकि बढ़ती लागत ने खेती को और मुश्किल बना दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या के सबसे ज़्यादा मामले सामने आ रहे हैं, और सरकार पर इन चिंताओं को दूर करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। पदयात्रा का समापन जलगांव जामोद के दुर्गा चौक पर एक जनसभा के साथ समाप्त होगा। पदयात्रा में कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और किसानों के बड़ी संख्या में शामिल होने की उम्मीद है। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य किसानों के मुद्दे उठाना है जिसमें किसानों का कर्ज़ माफ करना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी लागू करना , बिना शर्त फसल रिण सहित किसानों के मुद्दों के लिए समर्थन जुटाना और सरकार पर ठोस कदम उठाने का दबाव बनाना है।

एआईएमआईएम ने बंगाल में जंगल राज का आरोप लगाया

मुंबई, एजेंसी।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने रविवार को पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बंगाल में जंगल राज जैसी स्थिति थी।

वारिस पठान ने कहा, देखिए, हर कोई जानता है कि बंगाल में क्या हो रहा था, वहां कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई थी। मैं बंगाल में मौजूद था, क्योंकि हमारी पार्टी वहां 11 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दिल्ली के विवेक विहार में लगी आग में 9 लोगों की मौत पर वारिस पठान ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि फायर टेंडर देर से पहुंचने की घटनाएं

चिंताजनक हैं। पठान ने मांग की कि ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या जानबूझकर लगाई गई थी।

पुणे में साढ़े तीन साल की नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या की जघन्य घटना पर एआईएमआईएम ने आक्रोश व्यक्त किया। वारिस पठान ने कहा, यह बेहद दुखद और निंदनीय घटना है। जिसने भी यह जघन्य कृत्य किया है, उसे सार्वजनिक रूप से फांसी दी जानी चाहिए।

दोबारा मतगणना के बाद भाजपा ने श्रृंगेरी की सीट जीती

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक कांग्रेस को शनिवार को डबल नुकसान हुआ है। एक तरफ जहां श्रृंगेरी में दोबारा मतगणना के बाद उसके मौजूदा विधायक को अपनी सीट गंवानी पड़ी, वहीं दूसरी ओर धारवाड़ के विधायक विनय कुलकर्णी को हत्या के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया है। श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र में एक बड़े परिवर्तन में मौजूदा कांग्रेस विधायक टीडी राजे गौड़ा कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश पर डाक मतपत्र की दोबारा गिनती के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार डीएन जीवराज से सिर्फ 52 वोटों के मामूली अंतर से हार गए।

विधानसभा चुनाव खत्म होते ही एलपीजी के दाम बढ़ाना गलत: पी. विजयन

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।

केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने एलपीजी की कीमतों में हुई बढ़ोत्तरी पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा और विधानसभा चुनाव खत्म होते ही दाम बढ़ाने का आरोप लगाया। पी. विजयन ने कहा, खाना पकाने की गैस की कीमतों में अब तक की सबसे तेज वृद्धि आम लोगों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कीमत अचानक 993 रुपए की बढ़ोतरी से 3,000 रुपए से अधिक हो गया है, जो होटल और रेस्तरां के लिए एक बड़ा झटका है।

इसके अलावा, प्रवासी श्रमिकों और छोटे परिवारों द्वारा व्यापक रूप

से उपयोग किए जाने वाले 5 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी 251.50 रुपए की वृद्धि की गई है। इस तीव्र वृद्धि ने आम लोगों, छोटे उद्यमियों और प्रवासी श्रमिकों को गहरे संकट में डाल दिया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, यह निर्णय केरल सहित कई राज्यों में विधानसभा चुनावों के तुरंत बाद आया है। पश्चिम एशियाई संकट के कारण महीनों से खाना पकाने की गैस की कमी से जूझ रहा होटल, रेस्टोरेंट सहित हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र इस अनुचित बोझ को सहन करने की स्थिति में नहीं है। इस बढ़ी हुई लागत का असर जनता पर ही पड़ेगा।

केरल सहित देश में कई छोटे प्रतिष्ठान अब बंद होने की कगार पर हैं। विजयन ने कहा, तेल कंपनियों के मुनाफे की रक्षा के लिए जनता पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालने का यह चलन अस्वीकार्य है।

जन कल्याण पर कॉरपोरेट हितों को प्राथमिकता देने वाली केंद्र सरकार की नीति पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। हम केंद्र सरकार से इस अत्यधिक मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लेने की पुरजोर मांग करते हैं। केरल में चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले मुख्यमंत्री विजयन ने अपने दूसरे कार्यकाल की अंतिम कैबिनेट बैठक ऑनलाइन की।

प्रधानमंत्री मोदी की तेलंगाना यात्रा 'विकास का उत्सव': भाजपा

हैदराबाद,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य की आगामी यात्रा को विकास का उत्सव बताते हुए कहा है कि इस यात्रा से विकास को गति मिलेगी और पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेगा।

भाजपा तेलंगाना के मुख्य प्रवक्ता एनवी सुभाष ने एक बयान में कहा कि इस यात्रा के दौरान 7,823 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, जिनका उद्देश्य तेलंगाना के विकास को तेजी देना है।

उन्होंने बताया कि वारंगल में काकतीय राजवंश की विरासत से जुड़ी 1,695 करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। इनमें 'पीएम मित्रा काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क' भी शामिल है, जिससे इस क्षेत्र के एक प्रमुख कपड़ा केंद्र में तब्दील होने की उम्मीद है।

चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के इतिहास को खत्म किया जाना चाहिए: समिक भट्टाचार्य

कोलकाता,एजेंसी।

पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने रविवार को फलता में दोबारा मतदान और चुनाव के बाद होने वाली संभावित हिंसा को लेकर पार्टी की तैयारियों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस जो करना चाहती है करे, लेकिन चुनाव आयोग का फैसला अंतिम है। समिक भट्टाचार्य ने कहा, टीएमसी एक राजनीतिक पार्टी है; वे भी कुछ न कुछ करेंगे, उन्हें करने दीजिए। फलता में चुनाव आयोग ने कहा था कि दोबारा मतदान होगा और वह हो रहा है। फलता की हिंदू महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं।

चुनाव के बाद हिंसा के इतिहास

को लेकर समिक भट्टाचार्य ने चिंता जताई और इसे समाप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से तैयार है। हमारे पास काउंटिंग एजेंट होंगे, और न केवल हमारे कार्यकर्ता, बल्कि पूरा समाज, पश्चिम बंगाल के सभी लोग; हमने सबसे यह अपील की है कि चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के इतिहास को खत्म किया जाना चाहिए। इस कल्चर को रोका जाना चाहिए। पूरा देश बदल चुका है। बिहार और उत्तर प्रदेश में चुनाव होते हैं, ऐसे हाई-वोल्टेज चुनाव, लेकिन वहां ऐसा नहीं होता।

भट्टाचार्य ने इस बार के चुनाव को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि आजादी के बाद पश्चिम बंगाल में पहली बार इतना शांतिपूर्ण चुनाव हुआ है। फिर भी उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा 'चुनाव के बाद की हिंसा' की सबसे बड़ी शिकार रही है। उन्होंने आंकड़े देते हुए कहा, पिछली बार, 2021 में 2 मई को, महज 27 दिनों के अंदर भाजपा के 56 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई थी।

2016 से लेकर अब तक हमारे 311 कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। तृणमूल कांग्रेस द्वारा दी जा रही चुनौतियों पर समिक भट्टाचार्य ने व्यंग्य करते हुए कहा, क्या आपको लगता है कि हमें हर चुनौती पर टिप्पणी करनी चाहिए? अगर हम माइक टायसन को बॉक्सिंग मैच के लिए चुनौती दें, तो क्या वह हमारी चुनौती स्वीकार करेंगे? हम उनसे पूछेंगे। यह संभव नहीं है।

कर्नाटक: उपचुनाव राज्य में कांग्रेस-भाजपा के भविष्य की दिशा तय करेंगे

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक की दावणगेरे दक्षिण और बागलकोट विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब सभी की निगाहें कल आने वाले नतीजों पर टिकी हैं। ये परिणाम न केवल दो सीटों का फैसला करेंगे, बल्कि राज्य में सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच भविष्य के राजनीतिक नैरेटिव को भी तय करेंगे। संख्यात्मक रूप से इन नतीजों से सिद्दारमैया सरकार को कोई खतरा नहीं है, लेकिन राजनीतिक रूप से इनके गहरे मायने हैं। कांग्रेस के लिए यह केवल जीत-हार का सवाल नहीं है, बल्कि अपनी राजनीतिक गति को बरकरार रखने की चुनौती है।

कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ता के घर पर गोलीबारी, दो गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के बाहरी इलाके नोआपारा से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अर्जुन सिंह ने रविवार को आरोप लगाया कि बाइक सवार हथियारबंद लोगों ने भाजपा पदाधिकारी कुंदन सिंह के घर पर हमला किया और उन पर गोली चलाई। सिंह ने रविवार को कहा कि उन्होंने इस घटना के बारे में चुनाव आयोग से शिकायत की है। श्री सिंह ने फेसबुक हैंडल पर पोस्ट किया। शनिवार रात 107-नोआपारा विधानसभा क्षेत्र में, लगभग 12.05 बजे, तृणमूल कांग्रेस द्वारा संरक्षित दो हथियारबंद अपराधी, आकाश चौधरी उर्फ गोलू और अमन चौधरी, बैरकपुर संगठनात्मक जिला परिषद के सचिव कुंदन सिंह के घर पर उन्हें जान से मारने के इरादे से मोटरसाइकिल से पहुंचे।

मीडिया एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) पर सीसीटीवी फुटेज का एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया जिसमें आरोप लगाया गया कि शनिवार देर रात सशस्त्र बाइक सवार लोगों ने भाजपा पदाधिकारी कुंदन सिंह के घर पर हमला किया और उन पर गोली चलाई। सिंह ने रविवार को कहा कि उन्होंने इस घटना के बारे में चुनाव आयोग से शिकायत की है। श्री सिंह ने फेसबुक हैंडल पर पोस्ट किया। शनिवार रात 107-नोआपारा विधानसभा क्षेत्र में, लगभग 12.05 बजे, तृणमूल कांग्रेस द्वारा संरक्षित दो हथियारबंद अपराधी, आकाश चौधरी उर्फ गोलू और अमन चौधरी, बैरकपुर संगठनात्मक जिला परिषद के सचिव कुंदन सिंह के घर पर उन्हें जान से मारने के इरादे से मोटरसाइकिल से पहुंचे।

पटना में नावों की ओवरलोडिंग पर सख्ती

पटना, एजेंसी।

पटना में नदियों में नावों की ओवरलोडिंग और अवैध परिचालन पर जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पटना के ज़िलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने मामले का त्वरित संज्ञान लेते हुए सभी संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को तय मानकों का उल्लंघन करने वाले नाव संचालकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

ज़िलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम.ने स्पष्ट कहा कि जन सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ओवरलोडिंग या बिना अनुमति नाव संचालन करने वालों के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला परिवहन पदाधिकारी और अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे नावों के निबंधन से जुड़ी शर्तों जैसे निर्धारित क्षमता (कैरियिंग कैपेसिटी), सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और अन्य आवश्यक प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले नाव मालिकों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। डॉ. त्यागराजन एस.एम.ने कहा कि नदियों में सुरक्षित नाव संचालन के लिए सभी नावों का निबंधन अनिवार्य है।

राष्ट्रहित में एकजुट होकर सकारात्मक सोच को बढ़ावा दें और देश को मजबूत करने वाले प्रयासों में सहयोग करें

भारत के खिलाफ नैरेटिव गढ़ने की साजिश: शिवप्रकाश

देहरादून, एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत को कमजोर करने के लिए वर्षों से सुनियोजित तरीके से नैरेटिव गढ़े जा रहे हैं। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि राष्ट्रहित में एकजुट होकर सकारात्मक सोच को बढ़ावा दें और देश को मजबूत करने वाले प्रयासों में सहयोग करें।

रविवार शाम सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में विश्व संवाद केंद्र की ओर से आयोजित नारद जयंती, पत्रकारिता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, आदि पत्रकार देवर्षि नारद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस मौके पर शिवप्रकाश ने कहा कि देश की संस्कृति, इतिहास और शिक्षा पर लगातार चोट पहुंचाने के प्रयास हुए हैं, जबकि भारत प्राचीन काल से समृद्ध और लोकतांत्रिक परंपराओं वाला राष्ट्र रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विदेशी ताकतें, एनजीओ और विदेशी मीडिया भारत के खिलाफ भ्रम फैलाने में लगे हैं और सामाजिक आंदोलनों के जरिए अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री को लेकर सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि 'अर्धसत्य' से भ्रम फैलाया जा रहा है, इसलिए बिना सत्यापन के विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की ओर से भारत को पिछड़ा दिखाने के लिए लंबे समय से एक धारणा बनाई गई, जबकि भारत में हजारों वर्ष पूर्व से लोकतांत्रिक और सामाजिक समरसता की मजबूत परंपरा रही है। महिलाओं के अधिकारों के संदर्भ में भी भारत की परंपराएं समतामूलक रही हैं, जिसे नजरअंदाज किया गया।

शिवप्रकाश ने कहा कि वर्तमान समय में 'पांचवीं पीढ़ी के'(फिफ्थ जेनरेशन वार) के तहत वैचारिक स्तर पर समाज को विभाजित करने की कोशिश हो रही हैं। उन्होंने कहा कि देवर्षि नारद को विश्व के आदि पत्रकार के रूप में स्मरण किया जाता है, जिन्होंने लोककल्याण के लिए संवाद और सूचना का कार्य किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का ध्येय केवल सूचना देना ही नहीं, बल्कि भारत के दर्शन, ज्ञान, परंपरा, नैतिक मूल्यों एवं सनातन संस्कृति को सशक्त करना भी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली माध्यम बनकर उभरा है, जिसके माध्यम से राष्ट्रविरोधी नैरेटिव का सशक्त रूप से खंडन किया जाना आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अशोक बिंदलस (वरिष्ठ निदेशक, बिंदल्स बायोटेक लिमिटेड) ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सम्मानित पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और उसकी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में पत्रकारिता की विश्वसनीयता एवं नैतिकता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

सार समाचार

देवनानी ने विधान सभा के 52 कर्मियों को दी पदोन्नति

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने विधानसभा सचिवालय के 52 अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति दी है। देवनानी के निर्देशानुसार विधानसभा सचिवालय द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के दिन जारी किए आदेशों में छः उप सचिव, सात सहायक सचिव, आठ अनुभाग अधिकारी, चार सहायक अनुभाग अधिकारी, दो क्लर्क ग्रेड प्रथम, आठ क्लर्क ग्रेड द्वितीय, बारह जमादार और एक-एक पद पर संपादक, सहायक संपादक, पुस्तकालयाधिकारी, उप पुस्तकालयध्यक्ष एवं विधि रचना अधिकारी बनाए गए हैं। उन्होंने 20 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदोन्नत किया है। इस निर्णय से विधान सभा के कार्मिकों में खुशी की लहर है। अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह एवं नई ऊर्जा का संचार हुआ है। इस अवसर पर विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्री देवनानी का आभार जताया है।

जबलपुर नाव दुर्घटना में मृतकों की संख्या 13 हुई

जबलपुर,एजेंसी। मध्यप्रदेश में जबलपुर जिले के बरगी बांध में हुए क्रूज नाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। रविवार सुबह पांच वर्षीय बालक और उसके चाचा का शव मिलने के साथ ही सभी लापता व्यक्तियों का पता चल गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मयूरम (5) और उसके चाचा कमराज (करीब 50) के शव बरगी बांध से बरामद किए गए। दोनों के शव पानी में तैरते हुए मिले, जिन्हें बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल भेजा गया है। कमराज खमरिया स्थित आयुध निर्माणी में कर्मचारी बताए गए हैं। यह दुर्घटना गुरुवार शाम उस समय हुई थी, जब लगभग 20 वर्ष पुरानी नाव तेज आंधी-तूफान के दौरान पलट गई।

नशा कोई 'कूल' चीज नहीं है, बल्कि ये छीन लेता है आपकी आजादी: मनोज सिन्हा

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में रविवार को नशीली दवाओं के खिलाफ एक रैली का आयोजन किया गया, जहां हजारों लोग नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नार्को-आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हुए। श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल मैदान में आयोजित इस रैली में राज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि यह जन-आंदोलन राज्य को नशामुक्त क्षेत्र बनाने और युवाओं को मादक पदार्थों से बचाने के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। उपराज्यपाल ने कहा कि नशीली दवाओं और नार्को-आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में हर कदम मायने रखता है। हर प्रयास और हर योगदान हमें जीत के करीब लाता है।

उन्होंने एक ऐसे जम्मू-कश्मीर की कल्पना की जहां कोई बच्चा नशे की भेंट न चढ़े, कोई परिवार व्यसन के कारण न टूटे और हर नागरिक स्वस्थ एवं सशक्त होकर समृद्ध हो। सिन्हा ने दो किलोमीटर लंबी 'पदयात्रा' का नेतृत्व भी किया और जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़े लोगों से नशीली दवाओं के खिलाफ इस लड़ाई में जुटने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ यह लड़ाई हमारे घरों में लड़ी जा रही है और आज लिया गया संकल्प केवल एक व्यक्तिगत शपथ नहीं है।

बल्कि उन माताओं और पिताओं की पुकार है जिन्होंने अपने बच्चों के सपनों को नशे की भेंट चढ़ते देखा है। उपराज्यपाल ने कहा कि नशीली दवाओं को उखाड़ फेंकने का संकल्प केवल प्रशासन की घोषणा नहीं है, बल्कि उन लोगों का सामूहिक फैसला है जिन्होंने दशकों तक कष्ट सहने के बाद अब 'बस बहुत हुआ' कहा है। उन्होंने कहा कि जनता की सक्रिय भागीदारी एक ऐसी अटूट शक्ति है जो नार्को-आतंकवाद के माध्यम से होने वाले दुश्मन के हमले को हराने में सक्षम है। तस्करों ने हमारे युवाओं को निशाना बनाया है, लेकिन हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे।

सिन्हा ने समाज के हस्तक्षेप को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि युवाओं को सही रास्ते पर लाने के लिए हमें बुजुर्गों, आध्यात्मिक गुरुओं और शिक्षकों को शामिल करना होगा। उनकी सतर्कता कई जिंदगियां बचा सकती है और नशे के खिलाफ एक शक्तिशाली हथियार के रूप में काम कर सकती है। उन्होंने युवाओं से कहा कि नशा कोई 'कूल' चीज नहीं है, बल्कि ये वे जंजीरें हैं जो आपकी आजादी छीन लेती हैं। आपकी ऊर्जा खेल के मैदानों और बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए है।

उपराज्यपाल ने पड़ोसी देश पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आतंकवाद के दुनिया के सबसे बड़े केंद्र के रूप में जाना जाने वाला हमारा पड़ोसी देश हमारे युवाओं को नुकसान पहुँचाने और आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए नशीली दवाएं भेज रहा है। ड्रग्स से मिलने वाला पैसा आतंकवाद और कट्टरपंथ को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि यह मिशन तीन मोर्चों पर काम कर रहा है—आपूर्ति श्रृंखला को ध्वस्त करना, जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाना और नशे से ग्रस्त लोगों का सम्मान के साथ पुनर्वास करना।

श्री सिन्हा ने इसे आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताते हुए कहा कि आतंकवादी और ड्रग तस्कर दोनों ही एकता को तोड़ने और शांति को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन ने तस्करों पर नकेल कसने और पुलिस को प्रशिक्षित करने के लिए 360-डिग्री दृष्टिकोण अपनाया है। नए मानक संचालन प्रक्रिया के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिसके तहत पिछले 21 दिनों में ही 481 प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और 518 तस्करों को जेल भेजा गया है।

सिन्हा ने कार्रवाई का विवरण देते हुए बताया कि इस अवधि के दौरान अपराध की कमाई से बनाए गए 24 घरों को ध्वस्त कर दिया गया और करोड़ों की संपत्ति जब्त की गई।

मुख्यमंत्री साय ने पीएम आवास निर्माण का किया औचक अवलोकन

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में 'सुशासन तिहार' के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान आज ग्राम भैंसामुड़ा में एक प्रेरक दृश्य देखने को मिला। विकासखंड पत्थलगांव के इस सुदूर गांव में पहुंचकर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन मकानों का औचक निरीक्षण किया। गांव से गुजरते समय मुख्यमंत्री की नजर हितग्राही अनुसुइया पैंकरा के निर्माणाधीन घर पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और निर्माण कार्य का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री साय ने न केवल कार्य की गुणवत्ता को परखा, बल्कि वहां कार्यरत श्रमिकों से आत्मीय संवाद कर उनके परिश्रम की सराहना भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री की सादगी और संवेदनशीलता तब और मुखर हुई, जब उन्होंने स्वयं करणी उठाकर सीमेंट-गारा से ईंट जोड़ते हुए श्रमदान किया। मुख्यमंत्री को अपने घर के निर्माण में सहभागी होते देख हितग्राही और ग्रामीण भावुक हो उठे। मुख्यमंत्री की यह पहल जनसेवा और आमजन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक सशक्त संदेश बनकर उभरी।

हितग्राही अनुसुइया पैंकरा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पक्के घर का उनका वर्षों पुराना सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना से उनके परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री साय ने मौके पर मौजूद चंदागढ़ के राजमिस्त्री मोहन चक्रेश से भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मिस्त्री के रोजगार, दैनिक मजदूरी और पारिवारिक स्थिति की जानकारी ली तथा उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया। मुख्यमंत्री की यह सहज कार्यशैली केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने ग्रामीणों के मन में शासन के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया। इस अवसर पर पत्थलगांव विधायक गोमती साय, कलेक्टर रोहित व्यास सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

धामी ने सुनीं राज्य के विभिन्न जिलों से आये लोगों की समस्याएं

देहरादून, एजेंसी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को अपने आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि संबंधी मामलों तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। धामी ने अपने कार्यालय एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों एवं मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब न किया जाए। उन्होंने कार्यालय के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों को तत्काल प्रेषित करते हुए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उसकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्राप्त हो। जनसुनवाई जैसे कार्यक्रम शासन और जनता के बीच संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं, जिनके माध्यम से सरकार को जमीनी स्तर की समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है और उनके समाधान के लिए प्रभावी निर्णय लिए जा सकते हैं।

धामी ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण, सुशासन और समग्र विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गये हैं कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरलता एवं समयबद्ध रूप से लोगों को प्राप्त हो।

त्रिपुरा सरकार विभिन्न सरकारी विभागों में करेगी भर्ती

अगरतला, एजेंसी।

त्रिपुरा में मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद ने शनिवार रात कैबिनेट बैठक में विभिन्न विभागों में 107 पदों के सृजन एवं भर्ती को मंजूरी दी। कल्याणकारी सहायता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सरकार ने द्वितीय विश्व युद्ध के दिग्गजों की 12 विधवाओं के लिए मासिक भत्ते में 10,000 रुपये से 15,000 रुपये की वृद्धि की घोषणा की है जो कि 2019 के बाद पहला संशोधन है।

उन्होंने सेवा के दौरान शहीद हुए सीएपीएफ कर्मियों के पात्र अविवाहित आश्रितों के लिए 2,000 रुपये की मासिक सहायता को मंजूरी प्रदान की जो ऐसे बलिदानों से प्रभावित लोगों का समर्थन करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्रिमंडल के प्रवक्ता एवं पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने रविवार को कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णय भर्ती एवं सामाजिक सुरक्षा पर केंद्रित हैं।

विशेष रूप से, मंत्रिमंडल ने चुनाव विभाग में 15 पदों को भरने की मंजूरी प्रदान की जिनमें 11 निम्न श्रेणी के क्लर्क और चार बहु-कार्य कर्मचारी शामिल हैं। लिपिक पदों में से छह पद सीधी भर्ती और पांच पद पदोन्नति के माध्यम से भरे जाएंगे। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने फार्मासिस्टों, तकनीकी कर्मचारियों और वरिष्ठ कंप्यूटर सहायकों की भर्ती को भी मंजूरी प्रदान की है जिससे स्वीकृत पदों की कुल संख्या 107 हो गई है।

ऋषिकेश में गंगा के जलस्तर में संभावित बढ़ोतरी से प्रशासन अलर्ट

ऋषिकेश,एजेंसी। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के पूर्वानुमान और ऊपरी इलाकों से पानी छोड़े जाने की संभावना के बीच गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि को लेकर रविवार को प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ढालवाला क्षेत्र में तैनात राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), जल पुलिस और आपदा राहत दल ने संवेदनशील घाटों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। त्रिवेणी घाट, राम झूला, जानकी पुल और निम बीच सहित प्रमुख स्थलों पर सुरक्षा बलों द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। टीम द्वारा घाटों पर मौजूद श्रद्धालुओं और पर्यटकों को लाउडहेलर के माध्यम से सतर्क किया जा रहा है और नदी के नजदीक अनावश्यक रूप से न जाने की अपील की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान मौसम और बांधों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में गंगा का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है।

बैतूल अग्निकांड में 18 से अधिक घर जले, 20 मवेशियों की मौत

बैतूल, एजेंसी।

मध्यप्रदेश में बैतूल जिले के भीमपुर विकासखंड अंतर्गत आदिवासी बहुल बर्राढाना गांव में भीषण आग लगने से 18 से अधिक मकान जलकर खाक हो गए, जबकि 20 से ज्यादा मवेशियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब छह बजे तेज आंधी-तूफान के बीच आग भड़की, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। ग्रामीणों के अनुसार आग संभवतः चूल्हे से निकली चिंगारी से लगी, जिसे तेज हवा ने तेजी से फैला दिया। आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवाओं के चलते आग पर काबू पाना संभव नहीं हो सका। सूचना के बावजूद दमकल वाहन करीब ढाई घंटे बाद रात साढ़े आठ बजे मौके पर पहुंचा। बताया गया कि चिचोली नगर परिषद का फायर वाहन रास्ते में खराब हो गया था, जिसके बाद बैतूल से दूसरा वाहन भेजा गया।

आग के दौरान घरों में रखे रसोई गैस सिलेंडरों में विस्फोट होने से नुकसान और बढ़ गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और तहसीलदार, पुलिस बल सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए गए।

प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। प्रभावित परिवारों को अस्थायी रूप से स्कूल और पंचायत भवन में ठहराया गया है, जहां भोजन, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अधिकांश परिवारों का घरेलू सामान जल जाने से वे गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को नुकसान का सर्वेक्षण कर राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत शीघ्र आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

साथ ही राशन और आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

लद्दाख में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन

लेह,एजेंसी। लद्दाख के महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र (एमआईएमसी) में 2569वीं वैशाख बुद्ध पूर्णिमा समारोह के अवसर रविवार को अंतरराष्ट्रीय हिमालयी बौद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें भारत और विदेशों के भिक्षुओं, विद्वानों और आध्यात्मिक गुरुओं ने हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस सम्मेलन में भाग लेते हुए बौद्ध धर्म की वैश्विक भूमिका पर चर्चा की तथा कहा, भगवान बुद्ध की आध्यात्मिक यात्रा उत्तर प्रदेश की पवित्र धरती से शुरू हुई थी और आज भी यह दुनिया भर के करोड़ों लोगों को प्रेरित कर रही है। हम विश्व भर के अनुयायियों को उत्तर प्रदेश से अपनी 'बोधि यात्रा' शुरू करने के लिए आमंत्रित करते हैं। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों (अस्थि अवशेषों) का सार्वजनिक प्रदर्शन है।

आईएएस अकादमी संचालिका से 1.89 करोड़ की लूट, छह आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, एजेंसी।

मध्यप्रदेश की भोपाल क्राइम ब्रांच ने आईएएस अकादमी की संचालिका को सेमिनार का झांसा देकर बुलाकर पिस्टल की नोक पर 1.89 करोड़ रुपये की संगठित लूट के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी प्रियांक शर्मा, जो अकादमी का पूर्व छात्र है, इस पूरे षड्यंत्र का मास्टरमाइंड निकला। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली से संचालिका और उनके सहयोगियों को भोपाल में नया सेंटर खोलने और सेमिनार कराने का झांसा देकर बुलाया।

इसके बाद उन्हें एक किराये के मकान में ले जाकर बंधक बना लिया और हथियारों की नोक पर डराकर विभिन्न बैंक खातों में कुल 1.89 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए। बताया गया कि आरोपियों ने पीड़ितों को धमकाने के लिए नकली अपहरण का वीडियो भी बनवाया, ताकि वे पुलिस में शिकायत न करें। घटना के एक दिन पहले ही आरोपियों ने मकान किराये पर लिया था और उसी दिन सुंदरकांड का आयोजन कराया, जिससे शोर-शराबे के बीच घटना की आवाज बाहर न जा सके।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में संपूर्ण राशि को बैंक खातों में फ्रीज कर होल्ड कर लिया है और उसे पीड़ित के खाते में वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने के लिए दतिया और रीवा से बदमाशों को बुलाया गया था, जिन्होंने पिस्टल और कट्टों के बल पर घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद मुख्य आरोपी प्रियांक शर्मा ने बीमारी का बहाना बनाकर खुद को एम्स अस्पताल के आईसीयू में भर्ती करा लिया, ताकि पुलिस से बच सके।

क्राइम ब्रांच टीम ने अस्पताल पहुंचकर जांच की, जहां उसकी स्थिति सामान्य पाई गई और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। इस दौरान आरोपी के परिजनों द्वारा अस्पताल में हंगामा भी किया गया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार, वाहन और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। गिरफ्तार अन्य आरोपियों में रोहित मालवीय, दीपक भगत, विकास उर्फ विक्की दाहिया, कुनाल यादव और पंकज अहिरवार शामिल हैं, जबकि एक आरोपी फरार है और एक अन्य की भूमिका की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद विदेश भागने की योजना बना रहे थे। मामले में आरोपी की पत्नी की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इस संबंध में अपराध शाखा में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की विवेचना की जा रही है।

अमृतसर में नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

अमृतसर,एजेंसी। पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के बीच सीमा पार नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने एक नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इसके तीन संचालकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12 किलो हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरजंत सिंह निवासी गांव सकात्रा, जिला तरनतारन; अरविंदर सिंह और जशनप्रीत सिंह, दोनों निवासी गांव बुग्गा, जिला तरनतारन के रूप में हुई है।

नशीला पदार्थ बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने खेप ले जाने में इस्तेमाल की जा रही काले रंग की हीरो मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी गुरजंत सिंह पाकिस्तान आधारित तस्कर के संपर्क में था।

जेएसी की घोषणा से वेतन और सेवा से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर कांग्रेस सरकार पर दबाव और बढ़ गया है

कर्नाटकः 20 मई से हड़ताल पर जाएंगे परिवहन निगमों के कर्मचारी

बेंगलुरु, एजेंसी।

कर्नाटक में परिवहन निगमों की संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) ने रविवार को 20 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर दी है जिससे राज्य में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में एक बड़े व्यवधान का खतरा मंडराने लगा है। जेएसी की घोषणा से वेतन और सेवा से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर कांग्रेस सरकार पर दबाव और बढ़ गया है। अगर यह हड़ताल होती है, तो कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) और अन्य राज्य परिवहन उपक्रमों द्वारा चलाई जाने वाली बस सेवाएं पूरी तरह ठप हो सकती हैं।

इससे पूरे राज्य में लाखों यात्रियों पर असर पड़ेगा, जिनमें दिहाड़ी मजदूर, छात्र, दफ्तर जाने वाले लोग और ग्रामीण यात्री शामिल हैं। जेएसी का नेतृत्व अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) से जुड़े कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के कर्मचारी और श्रमिक संघ कर रहा है, जिसे पांच अन्य यूनियनों का भी समर्थन प्राप्त है। इस समिति ने सरकार पर आरोप लगाया है कि कई दौर की बातचीत के बावजूद सरकार ने वेतन संशोधन और बकाया भुगतान को लेकर बार-बार दिए गए आश्वासनों को पूरा नहीं किया है।

यूनियनों ने इससे पहले पिछले साल पांच अगस्त को भी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की थी, जब मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के साथ हुई बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला था। बाद में कर्नाटक उच्च न्यायालय के दखल के बाद इस आंदोलन को स्थगित कर दिया गया था। अब जब बातचीत एक बार फिर बेनतीजा रही है, तो जेएसी ने अपने आंदोलन को फिर से शुरू कर दिया है और 29 अप्रैल को मुख्यमंत्री को हड़ताल का औपचारिक नोटिस सौंप दिया है। कर्मचारी एक जनवरी, 2024 से पिछली तारीख से 25 प्रतिशत वेतन वृद्धि, 38 महीनों के बकाया वेतन का भुगतान, फॉर्म 4 रूट के समय का वैज्ञानिक संशोधन, दैनिक भत्ते में बढ़ोतरी और अन्य सेवा लाभों को लागू करने की मांग कर रहे हैं। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी है कि बढ़ते आर्थिक दबाव और कथित प्रशासनिक उदासीनता के कारण परिवहन कर्मचारी अब सब्र की सीमा पर पहुँच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को सुलझाने में सरकार की लगातार देरी ने कर्मचारियों के बीच भारी गुस्सा पैदा कर दिया है। यह संभावित हड़ताल कर्नाटक सरकार के लिए एक गंभीर चुनौती है, खासकर ऐसे समय में जब राज्य द्वारा संचालित बसें राज्य के बड़े हिस्सों में सार्वजनिक परिवहन और ग्रामीण संपर्क की रीढ़ बनी हुई हैं।

रामगुंडम कोयला खनन परियोजना को पर्यावरण मंत्रालय से मंजूरी

हैदराबाद, एजेंसी।

तेलंगाना की सिंगरेनी कोलरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को उसकी महत्वाकांक्षी 'रामगुंडम कोयला खान परियोजना' के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से प्रारंभिक पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। राज्य के खनन क्षेत्र के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस परियोजना का लक्ष्य दो खुली और तीन भूमिगत खदानों के माध्यम से 314.98 मिलियन टन कोयला भंडार निकालना है।

इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 21 मिलियन टन होगी, जो एससीसीएल के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक क्षमता वाली खनन परियोजना है। यह परियोजना अगले 25 वर्षों तक रामगुंडम क्षेत्र में खनन कार्यों को जारी रखेगी, जिससे ऊर्जा आपूर्ति और औद्योगिक विकास को काफी मजबूती मिलेगी। एससीसीएल ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि उत्पादित कोयले की आपूर्ति मुख्य रूप से एनटीपीसी रामगुंडम और अन्य कोयला आधारित उद्योगों को की जाएगी। इस परियोजना में उन पुरानी भूमिगत खदानों के कोयले का भी उपयोग किया जाएगा, जिन्हें पहले छोड़ दिया गया था। अब उन्हें खुले खदानों में बदलकर बचे हुए भंडार को निकाला जाएगा। योजना के अनुसार, बंद हो चुकी जीडीके-10 खदान और जल्द ही बंद होने वाली वकीलपल्ली भूमिगत खदान को खुली खदानों में बदला जाएगा। इसके अलावा, आस-पास की परियोजनाओं की सीमाओं पर मौजूद कोयले के भंडार का भी दोहन किया जाएगा, जिससे कुल उत्पादन में वृद्धि होगी।

हैदराबाद को हराकर कोलकाता ने प्ले ऑफ की उम्मीद को जिंदा रखा

इस जीत के साथ दो अहम अंक हासिल करते हुए केकेआर सात अंकों तक पहुंच चुकी है और उसके प्ले ऑफ की उम्मीद जिंदा है।

हैदराबाद, एजेंसी। अंगकृष रघुवंशी (59) और कप्तान अजिंक्या रहाणे (43) की शानदार पारियों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 45वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 10 गेंदें शेष रहते सात विकेट हरा कर टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज करते हुए अपनी प्ले ऑफ की उम्मीद को जिंदा रखा। यह सनराइजर्स हैदराबाद की चौथी हार है। रिंकू सिंह ने 19वें ओवर की पहली और दूसरी गेंद पर लगातार दो चौके लगाते हुए अपनी टीम को सात विकेट से जीत दिला दी।

इस जीत के साथ दो अहम अंक हासिल करते हुए केकेआर सात अंकों तक पहुंच चुकी है और उसके प्ले ऑफ की उम्मीद जिंदा है। इस मैच में पहली पारी में गेंद बेहद धीमी आ रही थी और स्पिनरों को भी मदद मिल रही थी। हालांकि केकेआर ने जिस तरह की आक्रामक शुरुआत की, उससे यह तय हो गया कि उन्हें ज़्यादा रिस्क लेने की जरूरत नहीं है। रघुवंशी ने अर्धशतक लगाते हुए अपनी लय फिर से हासिल की। दूसरी पारी में भी पिच थोड़ी धीमी थी लेकिन केकेआर के बल्लेबाजों ने बेहद सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी की।

166 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए फिन ऐलन और अजिंक्या रहाणे की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए शुरुआती चार ओवरों में 49 रन जोड़े। चौथे ओवर की आखिरी गेंद पर पैट कमिंस ने फिन ऐलन को आउट कर सनराइजर्स हैदराबाद को पहली सफलता दिलाई। फिन ऐलन ने 13 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 29 रन बनाये। 15वें ओवर में साकिब हुसैन ने अजिंक्या रहाणे को आउट कर पवेलियन भेज दिया। अजिंक्या रहाणे ने 36 गेंदों में चार चौके एक छक्के की मदद से 43 रन बनाये।

17वें ओवर में शिवांग कुमार ने जीत की ओर अपनी टीम को ले जा रहे अंगकृष रघुवंशी को अपना शिकार बना लिया। अंगकृष रघुवंशी ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 59 रनों की पारी खेली।कोलकाता नाइट राइडर्स ने 18.2 ओवरों में तीन विकेट पर 169 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम कर लिया। रिंकू सिंह ने 11 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 22 रन बनाये। आज यहां इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों ने सनराइजर्स हैदराबाद को 19 ओवर में 165 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा (15) का विकेट गिरने के बाद ट्रेविस हेड और इशान किशन की जोड़ी ने हैदराबाद की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 61 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने ट्रेविस हेड को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। ट्रेविस हेड ने 28 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 61 रनों की पारी खेली। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी आक्रमण के आगे सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज टिक कर नहीं खेल सके और अंतराल पर विकेट गंवाते रहे।

इशान किशन ने 29 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये।

साई-सुंदर की शानदार बल्लेबाजी, किंग्स के खिलाफ टाइटंस की 4 विकेट से जीत

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 46वें मैच में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने रविवार को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 4 विकेट से जीत दर्ज की। 10 में से 6 मैच जीतकर जीटी प्वाइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है, जबकि लगातार दूसरी हार के बावजूद पीबीकेएस शीर्ष पर मौजूद है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब किंग्स ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 163 रन बनाए।

इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में टीम ने प्रियांश आर्य (2) और कूपर कोनोली (0) के विकेट गंवा दिए।यहां से कप्तान श्रेयस अय्यर (19) ने प्रभसिमरन सिंह (15) के साथ 29 गेंदों में 33 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही पंजाब किंग्स फिर से बिखर गई। आलम ये रहा कि 47 के स्कोर तक आधी टीम पवेलियन लौट गई थी।यहां से मार्कस स्टोइनिस ने सूर्यांश शेडगे के साथ छठे विकेट के लिए 44 गेंदों में 79 रन जुटाए। सूर्यांश ने 29 गेंदों में 5 छक्कों और 3 चौकों के साथ 57 रन की पारी खेली, जबकि स्टोइनिस ने 31 गेंदों में 40 रन बनाए।

इनके अलावा, मार्को यानसेन ने 20 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से जेसन होल्डर ने 24 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा ने 2-2 विकेट हासिल किए। राशिद खान को 1 सफलता हाथ लगी।इसके जवाब में गुजरात टाइटंस ने 19.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस टीम को 16 के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल (5) के रूप में बड़ा झटका लगा।

इसके बाद साईं सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन जुटाते हुए टीम को मजबूती दी। बटलर 22 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 26 रन बनाकर आउट हुए।यहां से साईं सुदर्शन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने निशांत सिंधु (15) के साथ 25 रन, जबकि वॉशिंगटन सुंदर के साथ 30 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने जीता मैड्रिड ओपन का खिताब

मैड्रिड,एजेंसी। यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने मीरा आंद्रीवा को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन और डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर अपना पहला खिताब जीता। दुनिया की 23वें नंबर की खिलाड़ी ने अपनी रूसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 6-3, 7-5 से जीत हासिल की, और स्पेन की राजधानी में जीतने वाली शीर्ष 20 से बाहर की केवल दूसरी खिलाड़ी बन गईं। इस स्तर पर अपने पहले फाइनल में जीतने के बाद, 26वीं वरीयता प्राप्त कोस्त्युक ने कहा, ₹अभी यहाँ खड़े होकर अविश्वसनीय महसूस हो रहा है।

इस मुकाम तक पहुँचने में मुझे कई साल लगे, और इस समय मेरे मन में जो एक शब्द आ रहा है, वह है 'लगातार बने रहना' - हर दिन मौजूद रहना, चाहे काम कितना भी मुश्किल क्यों न हो, और चाहे आप अपने काम को कितना भी पसंद या नापसंद क्यों न करते हों। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में मैंने यह काम बहुत अच्छे से किया है, इसलिए मुझे खुद पर और अपनी टीम पर बहुत गर्व है।

23 साल की कोस्त्युक ने शुरुआती सेट में 4-2 की बढ़त बनाने के लिए पहली बार ब्रेक लिया। हालाँकि, पहले सेट पॉइंट पर उन्होंने 'डबल-फॉल्ट' कर दिया, लेकिन नौवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के शॉट के कोर्ट से बाहर चले जाने पर उन्होंने दूसरा सेट पॉइंट जीत लिया। कोस्त्युक ने दूसरे सेट की शुरुआत में ही आंद्रीवा की सर्विस तोड़ दी , लेकिन 19 साल की आंद्रीवा ने तुरंत वापसी करते हुए कोस्त्युक की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद, चौथे और पाँचवें गेम में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ते हुए गेम जीते।

लक्ष्मी मित्तल ने राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी को 15,660 करोड़ रुपये में खरीदा

नई दिल्ली,एजेंसी। यूके में रहने वाले भारतीय मूल के स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल ने राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी के अधिग्रहण की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि जयपुर फ्रेंचाइजी जो इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की शुरुआती आठ टीमों में से एक है-को खरीदने के लिए एक पक्का समझौता हो गया है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के आदर पूनावाला और मौजूदा मुख्य मालिक मनोज बदाले उस कंसोर्टियम का हिस्सा हैं, जिसने इस फ्रेंचाइजी को 1.65 अरब डॉलर (मौजूदा विनिमय दर के हिसाब से 15,660 करोड़ रुपये) में खरीदा है।

यह घोषणा इसलिए चौंकाने वाली है, क्योंकि इससे पहले यूएस स्थित कल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को - जिसमें रॉब वाल्टन (वालमार्ट) और हैम्प (फोर्ड) परिवार साझेदार थे। इस फ्रेंचाइजी का नया मालिक घोषित किया गया था। यह वही फ्रेंचाइजी है जिसने 2008 में आईपीएल के पहले सीज़न में खिताब जीता था। यह टीम अभी आईपीएल 2026 में अच्छा प्रदर्शन कर रही है और प्लेऑफ की ओर बढ़ रही है; टीम का युवा सितारा वैभव सूर्यवंशी शानदार खेल दिखा रहा है।

समझौते के अनुसार, मित्तल परिवार मुख्य मालिक होगा और फ्रेंचाइजी का नियंत्रण उसी के पास रहेगा। फ्रेंचाइजी में उनकी हिस्सेदारी लगभग 75 प्रतिशत होगी, जबकि आदर पूनावाला की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत होगी। बाकी 7 प्रतिशत हिस्सेदारी मौजूदा निवेशकों के पास रहेगी, जिनमें मनोज बदाले भी शामिल हैं - जो मज़ेदार बात यह है कि पहले इस फ्रेंचाइजी के मुख्य मालिक थे। कंसोर्टियम ने एक संयुक्त बयान में कहा, बदाले राजस्थान रॉयल्स को अपना समर्थन देना जारी रखेंगे। वे अतीत और वर्तमान के बीच एक सेतु का काम करेंगे और क्रिकेट के क्षेत्र में अपने गहरे ज्ञान और अनुभव से फ्रेंचाइजी को लाभ पहुंचाएंगे। इस अधिग्रहण में आरआर की दक्षिण अफ्रीका और कैरेबियन में स्थित सहायक कंपनियाँ-पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स - भी शामिल हैं। संयुक्त बयान में कहा गया है, इस सौदे को पूरा करना कुछ सामान्य शर्तों पर निर्भर है।

अर्जुन तेंदुलकर 10 लाख रुपये में बिके

मुंबई,एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने शनिवार को टी20 मुंबई लीग के बहुप्रतीक्षित चौथे सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इससे पूर्व पहली महिला लीग की नीलामी की सफलता के बाद, पुरुषों की फ्रेंचाइज़ियों ने अपनी टीमों को अंतिम रूप देने के लिए बोली की मेज पर ज़ोरदार मुकाबला किया, जिसमें उन्होंने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय सितारों और शहर की सबसे होनहार उभरती प्रतिभाओं का मेल बिठाया। सीज़न 4 की नीलामी में बोलियों की ज़ोरदार जंग देखने को मिली, जिसमें ऑलराउंडर आकाश पारकर सबसे कीमती खिलाड़ियों में से एक बने; उन्हें सोबो मुंबई फाल्कन्स ने 12 लाख रुपये में खरीदा।

विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रसाद पवार (11.50 लाख रुपये) और हरफनमौला मुशीर खान (11 लाख रुपये) को आर्क्स अँधेरी ने अपने इरादे साफ़ करते हुए अपनी टीम में शामिल किया। इससे पहले, लीग ने आइकॉन खिलाड़ियों की एक ज़बरदस्त सूची की पुष्टि की थी, जो अपनी-अपनी फ्रेंचाइज़ियों की अगुवाई करेंगे।

इस सूची में भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और मुंबई के दिग्गज शामिल हैं, जिनमें सूर्यकुमार यादव (ट्रंफ नाइट्स मुंबई नार्थ ईस्ट), श्रेयस अय्यर (सोबो मुंबई फालकन्स), अजिंक्य रहाणे (नार्थ मुंबई पैंथर्स), शिवम दुबे (आर्क्स अँधेरी), यशस्वी जायसवाल (बांद्रा ब्लास्टर्स), शार्दुल ठाकुर (ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स), सरफराज खान (आकाश टाइगर्स) और तुषार देशपांडे (एमएससी मराठा रॉयल्स) शामिल हैं।

बिजनेस

चावल में साप्ताहिक नरमी, दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव टूट गये। वहीं, गेहूं और चीनी में टिकाव रहा। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 11 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,836 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी।

तमिलनाडु में हॉस्टल और पीजी में रहना होगा महंगा

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में हॉस्टल और पेइंग गेस्ट (पीजी) में रहने वाले छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को अब ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। इसकी वजह यह है कि हॉस्टल और पीजी चलाने वालों ने किराया लगभग 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर और खाना बनाने की लागत काफी बढ़ गई है।

देश की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप 2.20 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

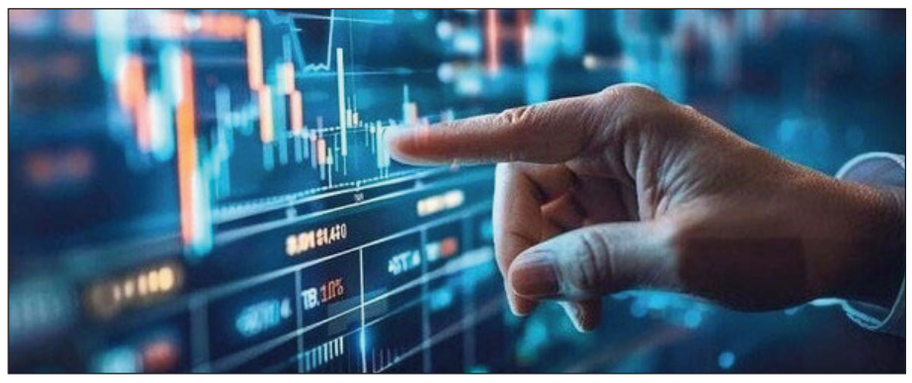

मुंबई,एजेंसी। देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार का मार्केटकैप बीते हफ्ते 2.20 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसकी वजह भारतीय शेयर बाजार में तेजी को माना जा रहा है। 27 से 30 अप्रैल के कारोबारी सत्र (1 मई को महाराष्ट्र दिवस के चलते शेयर बाजार बंद था) में भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स 249.29 अंक या 0.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,913.50 और निफ्टी 99.60 अंक या 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,997.55 पर बंद हुआ था।

इस दौरान भारती एयरटेल का मार्केटकैप 43,503.51 करोड़ रुपए बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपए हो गया था।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 27,569.83 करोड़ रुपए बढ़कर 8,94,933.95 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 9,432.32 करोड़ रुपए बढ़कर 5,83,123.13 करोड़ रुपए हो गया है। दूसरी तरफ, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 45,364.62 करोड़ रुपए कम होकर 9,04,980.78 करोड़ रुपए हो गया है। एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 30,922.57 करोड़ रुपए घटकर 9,85,829.96 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,951.31 करोड़ रुपए घटकर 11,87,274.17 करोड़ रुपए हो गया है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केटकैप 18,420.79 करोड़ रुपए कम होकर 5,28,799.01 करोड़ रुपए हो गया है।लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का मार्केटकैप 8,222.49 करोड़ रुपए कम होकर 5,04,798.07 करोड़ रुपए हो गया है। एलएंडटी का मार्केटकैप 178.83 करोड़ रुपए घटकर 5,51,993.05 करोड़ रुपए हो गया है।

मिश्रित रुझान के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनियों में अग्रणी बनी रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा। इसके अतिरिक्त, निफ्टी के साप्ताहिक आउटलुक पर टिप्पणी करते हुए, विशेषज्ञों ने कहा कि रुकावट का स्तर 24,300-24,400 के आसपास बना हुआ है, जो एक मजबूत आपूर्ति क्षेत्र बना हुआ है। दूसरी तरफ, 23,800 एक सपोर्ट लेवल है। अगर यह टूटता है तो 23,600-23,400 तक के स्तर देखने को मिल सकते हैं।

शेयर बाजारों पर दिखेगा वैश्विक कारकों, पीएमआई आंकड़ों का असर

मुंबई, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह निवेशकों का रुख वैश्विक कारकों और पीएमआई के आंकड़ों से तय होगा। वैश्विक कारकों में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति और कच्चे तेल की कीमत पर होगी। घरेलू स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े 04 मई को और सेवा क्षेत्र के 06 मई को जारी होने हैं। बीते सप्ताह सोमवार और बुधवार को प्रमुख सूचकांकों में तेजी रही जबकि मंगलवार और गुरुवार को गिरावट देखी गयी। शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस पर बाजार बंद रहा।

सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 249.29 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त में 76,913.50 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 99.60 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ गुरुवार को 23,997.55 अंक पर बंद हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा मजबूती रही। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.84 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.50 प्रतिशत चढ़ गया।

सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट और अन्य 14 में तेजी रही। सन फार्मा का शेयर 11.62 प्रतिशत चढ़ गया। टेक महिंद्रा का शेयर 8.38 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 7.77, आईटीसी का 4.43, अडानी पोर्ट्स का 4.37, भारती एयरटेल का 3.93, टीसीएस का 3.18 और कोटक महिंद्रा बैंक का 3.08 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इंफोसिस का शेयर 2.34 फीसदी, मारुति सुजुकी का 2.04, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.94 और बजाज फाइनेंस का 1.64 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। पावरग्रिड और टाटा स्टील के शेयर भी ऊपर बंद हुए।

एक्सिस बैंक का शेयर सप्ताह के दौरान 7.20 फीसदी टूट गया। इंडिगो में 5.01 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक में 4.79, इटरनल में 3.88, ट्रेंट में 3.65, अल्ट्राटेक सीमेंट में 3.56, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 3.37 और भारतीय स्टेट बैंक में 3.04 प्रतिशत की गिरावट रही।

हॉर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बीच ओपेक प्लस ने बढ़ाया तेल उत्पादन कोटा

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ओपेक प्लस देशों ने जून के लिए अपने तेल उत्पादन कोटे को बढ़ाने का फैसला किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि सात ओपेक प्लस देशों ने कच्चे तेल के उत्पादन को अगले महीने के लिए 1.88 लाख बैरल प्रति दिन बढ़ाने पर सहमति जताई है। हालांकि, यह वृद्धि सांकेतिक होगी, क्योंकि मौजूदा समय में अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट बंद है।

भू-राजनीतिक संकट और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के समूह से अलग होने के बावजूद, यह लगातार तीसरी मासिक वृद्धि होगी। यूएई के अलग होने के बाद ओपेक प्लस में ईरान सहित 21 सदस्य देश रह गए हैं। हालांकि, मासिक उत्पादन निर्णयों में केवल सात देशों की ही भागीदारी रही है। नाकाबंदी के कारण ईरान के निर्यात में भारी गिरावट देखी जा रही है। मार्च में सभी ओपेक प्लस सदस्यों का औसत कच्चा तेल उत्पादन 35.06 मिलियन बैरल प्रति दिन रहा, जो फरवरी से 7.70 मिलियन बैरल प्रति दिन कम है।

पिछले सप्ताह, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओपेक और ओपेक प्लस कार्टेल से अलग होने की घोषणा की, जिसे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल निर्यातक देशों के समूह के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यूएई ने कहा कि यह निर्णय उसकी ₹दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि और विकसित हो रही ऊर्जा प्रोफाइल₹ को दर्शाता है।

यूएई के इस बाहर निकलने से तेल कार्टेल के कमजोर होने की आशंका है, ऐसे समय में जब ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के कारण फारस की खाड़ी के देशों के निर्यात को भारी नुकसान हुआ है। ओपेक के तेल निर्यात में यूएई की हिस्सेदारी लगभग 15 प्रतिशत है।

कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुवैत ने अप्रैल में कच्चे तेल का शून्य बैरल निर्यात किया, जो 1991 में इराक के कब्जे के बाद से पहली बार हुआ है। यह स्थिति होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण उत्पन्न हुई है। कुवैत पेट्रोलियम कॉर्प ने फोर्स मेज्योर घोषित किया, जिससे लगभग 2 मिलियन बैरल प्रतिदिन का उत्पादन प्रभावित हुआ। इस नाकाबंदी के कारण कुवैती निर्यात पूरी तरह से ठप हो गया है।

कोयला गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने को नए इंसेंटिव पैकेज की तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार देश में कोयला गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए नया इंसेंटिव पैकेज देने की तैयारी कर रहा है और इसका परिव्यय 35,000 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से दी गई। इसे कोयला मंत्रालय द्वारा जनवरी 2024 में शुरू किए गए 8,500 करोड़ रुपए के इंसेंटिव प्रोग्राम का की विस्तार माना जा रहा है, जिसने देश में कोयला गैसीफिकेशन की नींव रखी थी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा विचाराधीन प्रस्तावित योजना का उद्देश्य देशभर में सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है, जिससे एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट और अमोनिया पर आयात निर्भरता कम करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति को तेज करना भी है।

देश में कोल गैसीकरण को ऐसे समय पर बढ़ावा दिया जा रहा है, जब मध्य पूर्व संघर्ष के कारण एलएनजी, उर्वरक और उर्वरक कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला में बाधा बनी हुई है। इस वर्ष फरवरी में कोयला मंत्रालय ने घोषणा की थी कि उसने देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई 8,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना की श्रेणीI के तहत चयनित आवेदकों को लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) जारी कर दिए हैं।

योजना की श्रेणी II के तहत, निजी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को प्रति परियोजना 1,000 करोड़ रुपए या पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) का 15 प्रतिशत, जो भी कम हो, आवंटित किया गया है। ओडिशा के अंगुल में जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड की 2 मिमीपीए कोयला गैसीकरण परियोजना को 569.05 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन दिया गया है। 3,793 करोड़ रुपए की इस परियोजना में कोयला गैसीकरण के माध्यम से कोयले को डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) में परिवर्तित किया जाएगा।

न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के भद्रावती में स्थित अपने कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन दिया गया है। 6,976 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत वाली इस परियोजना का लक्ष्य प्रति वर्ष 0.33 मिलियन मीट्रिक टन अमोनियम नाइट्रेट और 0.1 मिलियन मीट्रिक टन हाइड्रोजन का उत्पादन करना है।

इसी प्रकार, ग्रेटा एनर्जी लिमिटेड को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के भद्रावती जिले के एमआईडीसी में स्थित अपने कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए 414.01 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन दिया गया है। कोयला गैसीकरण पहल का उद्देश्य कोयला गैसीकरण में तकनीकी प्रगति को गति देना, कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम करना, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और अधिक टिकाऊ ऊर्जा परिदृश्य की नींव रखना है।

परिवार के रीयूनियन को देख भावुक हुईं आरती सिंह

बोलीं- 'गलतफहमियों ने दूर कर दिया था, अब सब ठीक हो गया'

मुंबई। टीवी अभिनेत्री आरती सिंह अपने भाई कृष्णा अभिषेक, भाभी कश्मीरा शाह और मामी सुनीता आहूजा को लंबे समय बाद साथ देख भावुक हो उठी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल ही में टेलिकास्ट हुए शो 'लाफ्टर शेफ्स' के एक एपिसोड की कुछ तस्वीरें साझा कीं। इस एपिसोड में सुनीता आहूजा स्पेशल गेस्ट बनकर सेट पर पहुंचीं थी। लंबे समय बाद परिवार के लोगों को एक साथ देखकर आरती भावुक हो गईं।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''जब मैंने यह एपिसोड देखा तो मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। बाकी लोगों के लिए यह सिर्फ 'मामी डे' वाला स्पेशल एपिसोड रहा होगा, लेकिन मेरे लिए यह कई सालों से देखे गए एक सपने के पूरा होने जैसा था। हमारा परिवार पहले बहुत खुश और एक-दूसरे से जुड़ा हुआ था। सभी लोग प्यार से साथ रहते थे लेकिन समय के साथ कुछ गलतफहमियां और नाराजगी रिश्तों में आ गईं, जिससे दूरियां बढ़ गईं।''

आरती ने कहा, ''समय कभी-कभी रिश्तों को बिगाड़ देता है लेकिन जब सही वक्त आता है तो सब कुछ फिर ठीक भी हो जाता है। परिवार का यह रीयूनियन मेरे दिल का सबसे बड़ा सपना था। जिस तरह यह सब हुआ, उसने मुझे अंदर तक भावुक कर दिया।''

आरती ने कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'दोनों ने जिस तरह माफी मांगी, वह पूरी तरह सच्ची और दिल से थी। मैं दोनों को बहुत अच्छे से जानती हूं और समझ सकती हूं कि उनके इमोशन्स कितने सच्चे थे। मैंने सुनीता मामी और गोविंदा मामा को बहुत याद किया। उनसे भी ज्यादा टीना और यश को।'

श्रेया घोषाल ने खोले अपनी गायकी के अनकहे राज

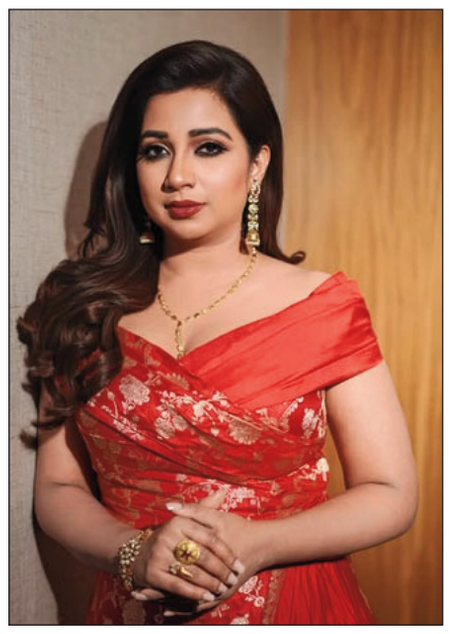

मुंबई। हाल ही में अपने 'ऑल हार्ट्स टूर' का लाइव एल्बम जारी करने वाली मशहूर प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल ने बताया कि वह भारत की अलग-अलग भाषाओं में गाते समय बारीकियों को कैसे समझती हैं। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उनके लिए सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। वह गाने में आवाज की अभिव्यक्ति और छोटी-छोटी बातों का खास ध्यान रखती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किसी ऐसे व्यक्ति से कुछ सीखा है जो संगीत के क्षेत्र से जुड़ा हुआ नहीं है और उसे अपने गाने में इस्तेमाल किया है, तो उन्होंने कहा कि ऐसा अक्सर होता रहता है।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा लगातार होता रहता है। मैं क्षेत्रीय स्तर पर बहुत काम करती हूं। मैंने शुरुआत से ही क्षेत्रीय भाषाओं में गाना गाया है। इसलिए जब मुझे कोई तमिल गाना या मलयालम गाना गाना होता है, तो जैसे ही पूरी टीम स्टूडियो में आती है, मैं उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनके बोलने के लहजे या वे हर शब्द कैसे बोलते हैं, उसका बारीकी से अध्ययन करती हूं। लोगों को देखकर और समझकर मुझे उन भाषाओं के गानों के करीब पहुंचने में मदद मिलती है।'

उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'मैं यह सब उन लोगों से सीखती हूं जो वहां मौजूद होते हैं। इसमें टीम से जुड़े सभी लोग शामिल हैं। खासकर उस गाने के रचनाकार और कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उस भाषा को जानता हो या उस गाने की कहानी जानता हो। इसलिए मैं लगातार सीखती रहती हूं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ़ भाषा तक ही सीमित नहीं है।'

श्रेया ने उदाहरण देते हुए यह बताया कि अगर किसी गाने में लोक संगीत के तत्व होते हैं, तो वह अपने मन में उससे जुड़े उदाहरण याद करती हैं। जैसे अगर गाना गुजराती लोक शैली का है, तो वह सोचती हैं कि अगर उसे उस शैली के प्रसिद्ध गायक गाते, तो कैसे गाते। इसी तरह वह अलग-अलग स्रोतों से प्रेरणा लेती रहती हैं, जो उनके गायन में मदद करता है।इस बीच, उनका 'ऑल हार्ट्स टूर' लाइव एल्बम सोनी म्यूजिक इंडिया के तहत जारी किया गया है।

'फिर वे चीजें आपकी नहीं रहती', जब करीना के 'कल हो ना हो' छोड़ने पर प्रीति जिंटा ने दी थी प्रतिक्रिया

मुंबई। बॉलीवुड की दुनिया में कई बार ऐसी फिल्में बनती हैं, जिनसे जुड़े किस्से सालों बाद भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते हैं। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'कल हो ना हो' को लेकर भी कुछ ऐसी चर्चा लंबे समय तक बनी रही है। अब इस फिल्म से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्रीति जिंटा करीना कपूर के बयान पर बेबाक तरीके से अपनी बात रखती नजर आ रही है। इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो 'कॉफी विद करण' शो का है, जिसे मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर होस्ट करते हैं। बातचीत के दौरान करण जौहर ने प्रीति जिंटा से उस चर्चा पर सवाल किया, जिसमें कहा जाता रहा कि फिल्म 'कल हो ना हो' के लिए पहले करीना कपूर खान को चुना गया था।

दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना कपूर को पहले यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन बात फीस को लेकर अटक गई। कहा जाता है कि करीना ने फिल्म के लिए उतनी ही फीस मांगी थी, जितनी फिल्म के स्टार शाहरुख खान को दी जा रही थी। इसके बाद मामला आगे नहीं बढ़ पाया और फिल्म प्रीति जिंटा को मिल गई।

करण जौहर ने शो में प्रीति से पूछा, ''करीना इस फिल्म की पहली पसंद थीं, उनकी जगह आपको कास्ट किया गया। आपको असल में कैसा लगा?'' इस सवाल का जवाब प्रीति जिंटा ने बेहद सरल तरीके से दिया। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर कोई व्यक्ति दुकान में जाकर जींस पहनकर देखता है, लेकिन उसे खरीदता नहीं है, तो वह जींस उसकी नहीं हो जाती। लेकिन अगर बाद में कोई दूसरा व्यक्ति उसे खरीद लेता है, तो वह असल में उसी की ही कहलाती है।''

प्रीति जिंटा ने आगे कहा, ''मुझे याद है, जब आपने मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाई थी, तो मुझे हैरानी इस बात की हुई थी कि आखिर कोई इस फिल्म को करने से मना कैसे कर सकता है। मुझे कहानी बेहद पसंद आई थी। हालांकि उस समय हर जगह यही चर्चा हो रही थी कि करीना पहली पसंद थीं और प्रीति दूसरी पसंद। करीना बार-बार यह बात कह रही थीं कि उन्होंने खुद फिल्म को मना किया था। इस पर मैं खुद उनका धन्यवाद करती हूं, क्योंकि उनके मना करने के बाद यह फिल्म मेरी झोली में आई।''

इस दौरान शो में सैफ अली खान भी मौजूद थे। करण जौहर ने उनसे पूछा कि उनके हिसाब से फिल्म में 'नैना' का किरदार कौन बेहतर निभा सकता था। इस पर सैफ ने कहा कि फिल्म देखने के बाद मुझे लगता है कि उस किरदार में प्रीति जिंटा के अलावा किसी और की कल्पना करना मुश्किल है।

विदेश

इराक ने 14 वर्ष बाद सीरिया के रास्ते शुरू किया तेल निर्यात

बगदाद/दमिश्क। इराक ने सीरिया के अल-यारूबियाह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए तेल निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। 70 टैंकरों का एक काफिला इस रास्ते से सीरिया में दाखिल हुआ, जो पिछले 14 वर्षों में इस मार्ग से पहला ऐसा शिपमेंट है।

जापान: 11 दिन बाद काबू में आई जंगल की आग, 1,633 हेक्टेयर क्षेत्र जलकर खाक

टोक्यो। जापान के उत्तर-पूर्वी हिस्से में लगी भीषण जंगल की आग 11 दिनों बाद काबू में आई। स्थानीय अधिकारियों और फायर एजेंसी के अनुसार, इस आग में 1,633 हेक्टेयर क्षेत्र जलकर खाक हो गया, जो पिछले 30 वर्षों में दूसरी सबसे बड़ी घटना बताई जा रही है।

काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस पर फोकस करेंगे भारत व कंबोडिया के जवान

नई दिल्ली। भारत व कंबोडिया काउंटर टेररिज्म ऑपरेशंस पर फोकस करने जा रहे हैं। यह भारत की सैन्य कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण आयाम है। इसके तहत रविवार को भारतीय सैन्य दल, भारत-कंबोडिया संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास 'सिनबेक्स-टी 2026' के लिए कंबोडिया रवाना हुआ है। यह युद्धाभ्यास कंबोडिया में आयोजित किया जाएगा। यहां दोनों देशों के जवान आतंकवाद-रोधी अभियानों, जंगल एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में ऑपरेशन व समन्वित रणनीतियों पर मिलकर अभ्यास करेंगे।

दोनों देशों का यह संयुक्त अभ्यास भारतीय सेना और रॉयल कंबोडियन आर्मी के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का महत्वपूर्ण प्रतीक है। सिनबेक्स का मुख्य उद्देश्य कंपनी स्तर पर संयुक्त प्रशिक्षण के माध्यम से सब-कन्वेंशनल (अपरंपरागत) वातावरण में सैन्य अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाना है। इस अभ्यास के दौरान सैनिक एक-दूसरे के अनुभवों से सीखेंगे, आधुनिक तकनीकों और रणनीतियों का आदान-प्रदान करेंगे और जमीनी स्तर पर तालमेल को मजबूत करेंगे। खास बात यह है कि इसमें काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशंस पर विशेष जोर दिया जाएगा। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशंस आज के वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में बेहद महत्वपूर्ण है।

गौरतलब है कि सिनबेक्स केवल एक सैन्य अभ्यास भर नहीं, बल्कि भारत की उस व्यापक सोच का हिस्सा है, जिसमें वह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह अभ्यास न केवल दोनों देशों के बीच सैन्य साझेदारी को सुदृढ़ करेगा, बल्कि आपसी विश्वास, समझ और सहयोग को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। दरअसल, भारत और कंबोडिया के बीच यह सहयोग यह दर्शाता है कि दोनों देश मिलकर न केवल अपनी सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

यह अभ्यास 4 मई से प्रारंभ होगा और 17 मई 2026 तक कंबोडिया साम्राज्य के कंम्पोंग स्पेयू प्रांत स्थित टेको सेन फ्नोम थॉम थ्रीस प्रॉव रॉयल कंबोडियन एयर फोर्स प्रशिक्षण केंद्र (कैंप बेसिल) में जारी रहेगा। मित्र देशों के साथ चल रहे भारत के रक्षा सहयोग के अंतर्गत कंबोडिया के साथ यह द्विपक्षीय अभ्यास 'सिनबेक्स-द्वितीय' वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बदलते परिदृश्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के अध्याय आठ के ढांचे के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा।

भारतीय सेना के दल में 120 सैन्यकर्मी शामिल हैं। इस सैन्य दल में अधिकांश जवान मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन से हैं। वहीं कंबोडियाई दल की बात करें तो यह 160 कार्मिकों का एक विशेष सैन्य दल है। ये सभी जवान रॉयल कंबोडियन आर्मी से हैं। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यह संयुक्त अभ्यास उन आतंकवाद-रोधी अभियानों की वर्तमान कार्य-प्रक्रिया के अनुरूप होगा, जिनका सामना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों के दौरान शांति-रक्षक बलों द्वारा किया जाता है। सैन्य अभ्यास के अंतर्गत ड्रोन संचालन, मोर्टार तथा स्नाइपर रणनीतियों सहित विशेष कौशल प्रशिक्षण भी होगा।

ईरान की इजाजत के बिना कोई भी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजर सकता: ईरानी सेना

तेहरान। ईरान का दावा है कि उनकी सेना इस समय होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा नियंत्रण रखे हुए है। ईरान की सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरमीनिया ने कहा कि सेना की अनुमति के बिना कोई भी जहाज इस रास्ते से नहीं गुजर सकता, चाहे वह दोस्त देश का हो या दुश्मन का। ईरानी मीडिया द्वारा प्रसारित उनके बयानों के फुटेज के अनुसार, अकरमिनिया ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को नियंत्रित करना ईरान का 'एक स्वाभाविक अधिकार' है, लेकिन पिछले कई सालों से उसने इस अधिकार का इस्तेमाल नहीं किया था।

उन्होंने कहा, 'वर्तमान में, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर पश्चिम में और देश की सेना पूर्व में पूरी शक्ति के साथ इस स्ट्रेट को नियंत्रित कर रही है, और कोई भी जहाज - चाहे वह मित्र हो या शत्रु - हमारी सेनाओं की अनुमति और अधिकार के बिना यहां से गुजरने का अधिकार नहीं रखेगा।'

इस बीच, अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फ़ार्स' ने ईरान के उप विदेश मंत्री हामिद घनबारी के हवाले से कहा कि कई देश घबराए हुए हैं और लगातार ईरान को संदेश और पत्र भेजकर अपने जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति मांग रहे हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी से ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर सख्ती बढ़ा दी है। उसने उन जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने से मना कर दिया है, जो इजरायल और अमेरिका से जुड़े हैं। यह कदम ईरान पर हुए संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया।इससे पहले गुरुवार को ईरान के सर्वोच्च नेता मोज्तबा खामेनेई ने कहा कि फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में एक नया दौर शुरू हो रहा है।

नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह सुर्खियों में, 1,594 राजनीतिक नियुक्तियां की गईं रद्द

काठमांडू। नेपाल सरकार का एक फैसला चर्चा में है। शनिवार को राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने एक आदेश जारी किया, जिससे पिछले साल की गईं 1,594 राजनीतिक नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया।

द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, इस कदम से नेपाल के प्रशासनिक महकमे में उथल-पुथल मच गई है। विश्वविद्यालयों, सरकारी कंपनियों, नियंत्रक इकाइयों, परिषद, बोर्ड्स, रिसर्च इंस्टीट्यूट और मीडिया संगठनों के अधिकारियों को निकाल दिया गया है, जिससे कई संस्थान बिना नेतृत्व के रह गए हैं।हाल के सालों में सबसे बड़े प्रशासनिक बदलावों में से एक बताया गया, "ऑर्डिनेंस ऑन स्पेशल प्रोविजन्स रिलेटिंग टू द रिमूवल ऑफ पब्लिक ऑफिशियल्स फ्रॉम ऑफिस, 2026" का यह प्रावधान कहता है कि 26 मार्च से पहले की गई सभी नियुक्तियां स्वतः समाप्त हो जाएंगी, चाहे उनका समय, फायदे, या नियुक्तियों की शर्तें कुछ भी हों।

दस्तावेजों में कहा गया कि, "मौजूदा कानूनों में कहीं और लिखी किसी भी बात के बावजूद, 26 मार्च से पहले तय शेड्यूल के हिसाब से पब्लिक संस्थाओं में नियुक्त और अभी पद पर बैठे सरकारी अधिकारी इस ऑर्डिनेंस के लागू होने पर अपने-आप अपने पदों से हटा दिए जाएंगे।" हालांकि, इतने सारे अधिकारियों को हटाने के इस बड़े कदम से, नए लीडरशिप की तुरंत नियुक्ति न होने पर इन संस्थाओं के कामकाज पर चिंता बढ़ गई है।यह ऑर्डिनेंस प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की लीडरशिप वाली कैबिनेट की सिफारिश पर जारी किया गया था।

श्रीलंका: पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे पर भ्रष्टाचार का आरोप, आयोग ने किया तलब

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे और सांसद पियंकारा जयरत्ने को रिश्वत या भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में जांच के लिए रिश्वत-विरोधी आयोग ने तलब किया है।

विभिन्न मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, दोनों नेताओं को 'कमिशन टू इन्वेस्टिगेट एलिगेशंस ऑफ ब्राइबरी ऑर करप्शन' (सीआईएबीओसी) के समक्ष पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। यह आयोग श्रीलंका में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने वाली प्रमुख संस्था है।'न्यूजवायरएलके' और 'अडाडेराना' के अनुसार, एक प्रमुख एयरबस विमान खरीद घोटाले के बारे में बयान दर्ज कराने के लिए दोनों को तलब किया गया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, समन उन मामलों से संबंधित है जिनमें कथित तौर पर पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच की जा रही है।

हालांकि, आरोपों के विस्तृत ब्योरे सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।न्यूजफर्स्ट और तमिल गार्जियन के अनुसार, जांच से पता चलता है कि सौदे से 60 मिलियन रुपए से अधिक का भुगतान उन्हें किया गया था। दोनों को श्रीलंकाई एयरलाइंस खरीद समझौते में भ्रष्टाचार के संबंध में बयान दर्ज करने के लिए 12 मई को बुलाया गया है। रिपोर्टों का हवाला देते हुए, श्रीलंकाई एयरलाइंस के एक पूर्व सीईओ ने आरोप लगाया कि 60 मिलियन रुपए किश्तों में महिंदा राजपक्षे को दिए गए थे, और पूर्व सिविल एविएशन मिनिस्टर प्रियंकारा जयरत्ने को 20 मिलियन दिए गए थे।

इस मामले में एयरबस डील के फंड शामिल हैं, जिन्हें कथित तौर पर ब्रुनेई की एक शेल कंपनी और सिंगापुर के बैंक अकाउंट के जरिए भेजा गया था।महिंदा राजपक्षे पहले भी विभिन्न विवादों और जांचों के घेरे में रहे हैं, खासकर उनके कार्यकाल के दौरान लिए गए कुछ आर्थिक और प्रशासनिक फैसलों को लेकर। वहीं, पियंकारा जयरत्ने भी कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में जांच का सामना कर रहे हैं। जांच श्रीलंकाई एयरलाइंस की पूर्व सीईओ कपिला चंद्रसेना के खिलाफ बड़े मामले से जुड़ी है।